

पूर्व पीएम इंदिरागांधी की जयंती आज

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।
– कहावत

■ भोपाल, गुरूवार 19 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 153 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाना जरूरी : राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति ने एसआरसीसी के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी होने के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं का समूह भी है, जिसका उदाहरण श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय संस्थानों के रूप में विकसित करना होगा, ताकि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। राष्ट्रपति ने यहां एसआरसीसी के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के सौ वर्ष पूरे होने पर उसके पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रबंधन तथा कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग तीन दशकों से कॉलेज को देश के शीर्ष वाणिज्य महाविद्यालयों में स्थान मिलता रहा है। इस उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी लोगों की वह सराहना करती हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने के लिए देश के



अग्रणी शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाना जरूरी है। इससे भारत और विदेशों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए भारतीय संस्थानों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि एसआरसीसी के विद्यार्थी दुनिया के किसी भी संस्थान के विद्यार्थियों से कम नहीं हैं और कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देकर देश का गौरव बढ़ाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। इस दौरान बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार, डिजिटल परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और सामाजिक विकास हुआ है। देश में स्टार्टअप के लिए अनुकूल माहौल बना है और कारोबार को सुगम बनाने को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, लक्षित लाभार्थियों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में लगभग 50 करोड़ देशवासी अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं और जारी संघर्षों के बावजूद भारत ने ये उपलब्धियां हासिल की हैं। एसआरसीसी के विद्यार्थियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और सफलता को देख रहे हैं। उन्हें इस अनुभव से सीख लेकर देश की विकास यात्रा को और गति देने में योगदान करना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत को एक बार फिर अपनी प्राचीन वाणिज्यिक और व्यापारिक शक्ति का गौरव हासिल करना है। इतिहास में भारत प्राचीन रोमन साम्राज्य का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार था और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारतीय व्यापारियों के नियमित कारोबारी संबंध थे। उन्होंने ओडिशा में प्राचीन नाविकों और व्यापारियों की दक्षिण-पूर्व एशिया की यात्राओं की स्मृति में आयोजित होने वाले बाली जात्रा का भी उल्लेख किया।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बुधवार को आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया है। कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा लगाई गई धाराओं के तहत आरोप तय करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा,कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 के तहत भी आरोप तय किए हैं। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने यश यादव,मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार,धनंजय लोखंडे,प्रहलाद कुलकर्णी,तेजस हर्षद कुमार, डॉ.मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवालदार के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी आरोपियों को 21 नवंबर को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। 21 नवंबर को कोर्ट मामले में आरोपियों के खिलाफ फॉर्मल चार्ज फ्रेम करेगा। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में 25 नवंबर से डे-टू-डे ट्रायल की शुरुआत करेगा। सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 20,000 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल किया है। सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अपना पहला आरोप-पत्र जुलाई में दाखिल किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 12 अगस्त को सीबीआई के आरोप-पत्र पर संज्ञान लिया था। सीबीआई ने चार्जशीट में कहा है कि तीन विषय विशेषज्ञों ने दिल्ली के एनटीए कार्यालय से नीट परीक्षा के प्रश्नों को अलग-अलग तरीकों से बाहर निकाला था। आरोपी ऐसा इसलिए कर सके क्योंकि गोपनीय अनुभाग से बाहर निकलते समय उनकी तलाशी नहीं ली गई। सीबीआई ने चार्जशीट में कहा है कि एनटीए में गोपनीय अनुभाग में प्रवेश और निकास के दौरान विशेषज्ञों की जाँच या तलाशी की कोई प्रथा नहीं थी।

ट्रांसजेंडर को पीएम-जेएवॉय योजना में होगा 10 लाख का मुफ्त इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमंडल ने तृतीय लिंग के पात्र सदस्यों और उनके परिवारों को 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत सालाना 10 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस योजना के तहत,लाभार्थी देश भर के सूचीबद्ध अस्पतालों में 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं से जुड़े 1,961 उपचार पैकेज के अंतर्गत नकद रहित इलाज पाने के हकदार होंगे। बयान के मुताबिक हरेक परिवार को सालाना 10 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा जिसमें आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले पांच लाख रुपए और दिल्ली सरकार की ओर से रिए जाने वाले अतिरिक्त पांच लाख रुपए शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि दिल्ली में तृतीय लिंग के करीब 5,656 व्यक्तियों को इस पहल से लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत एक आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है : राहुल गांधी



अमेरिका में राहुल गांधी के बयान पर भाजपा ने की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच से भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि देश एक आर्थिक आपदा की ओर बढ़ रहा है तथा बड़ी बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार सृजन और शिक्षा क्षेत्र की समस्याएं देश के विकास के सामने बड़ी बाधा बनी हुई हैं। राहुल गांधी के बयानों की भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी आलोचना की है। भाजपा ने राहुल गांधी पर विदेशी धरती पर देश को बदनाम करने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी भारत-विरोधी प्रचार (लीडर ऑफ एंटी इंडिया प्रोपेगेंडा) के नेता बन गए हैं। भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं! उन्होंने आगे कहा, एक तरफ, जहां पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का सम्मान करती है, वहीं दूसरी तरफ राहुल भारत को आर्थिक आपदा बताते हैं! अमेरिका के दो दिवसीय दौरे के दौरान राहुल गांधी ने मंगलवार (स्थानीय समय) को कोलंबिया यूनिवर्सिटी में यह बात कही। वहां वे मॉडरेटर लिडिया पोलग्रीन द्वारा भारत के युवाओं से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। राहुल गांधी ने बातचीत के दौरान कहा,सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा व्यवस्था में भी बहुत बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को लेकर निराशा जताने वाले कुछ युवा मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं और उन्होंने औपचारिक शिक्षा भी हासिल की है। युवाओं के बीच बढ़ती निराशा का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य उज्ज्वल नजर नहीं आ रहा है। इसी बातचीत के दौरान,गांधी ने अपने वोट चोरी वाले आरोपों को फिर दोहराया और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 140 मिलियन (14 करोड़) लोग,जो 2024 में वोट दे सकते थे,उन्हें मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

कुलगाम में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में आतंकी लतीफ को किया ढेर

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान कुलगाम में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों की ओर से उसे आत्मसमर्पण का मौका दिया गया था लेकिन उसने हथियार डालने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकी के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी। सुरक्षा बलों की सफलता पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह की ओर से बधाई दी गई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बधाई हो दोस्तों। कुछ डिशेज ठंडी सर्व करने में सबसे अच्छी लगती हैं, ठंड के मौसम में भी। सूत्रों के मुताबिक, कुलगाम में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा कमांडर लतीफ नामक आतंकवादी को घेरा था। एक वीडियो में सैन्य अधिकारी लगातार आतंकी लतीफ से हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने की अपील करते दिखे।

भारत-जापान साझेदारी दुनिया की समृद्धि के लिए जरूरी : एस जयशंकर



विदेश मंत्री जयशंकर ने इंडिया-जापान इंडो-पैसिफिक फोरम को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को इंडिया-जापान इंडो-पैसिफिक फोरम को संबोधित करते हुए भारत-जापान संबंधों को दुनिया के लिए बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी सिर्फ द्विपक्षीय नहीं,बल्कि पूरी दुनिया में शांति,स्थिरता और आर्थिक समृद्धि के लिए योगदान दे रही है। विदेश मंत्री ने इंडिया-जापान इंडो-पैसिफिक फोरम के नवीनतम संस्करण के लिए वीडियो संदेश जारी किया। फिलीपींस में आसियान-भारत समिट में शामिल होने के बाद विदेश मंत्री जापान पहुंचे। उन्होंने इस फोरम के आयोजन के लिए दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और जापान इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के प्रयासों की सराहना की। जयशंकर ने कहा कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी विश्वास और सद्भावना पर टिकी है और साझा रणनीतिक दृष्टिकोण से जुड़ी है। उन्होंने कहा, दो बड़े एशियाई लोकतंत्र,गतिशील बाजार अर्थव्यवस्थाएं और समुद्री राष्ट्र होने के नाते,भारत और जापान एक स्वतंत्र,मुक्त और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक के निर्माण के लिए जरूरी हैं। दोनों देश इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव और विजन महासागर पर मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने आर्थिक सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि जापान की मैन्युफैक्चरिंग विशेषज्ञता और उन्नत तकनीक,भारत की उद्यमशीलता, पैमाने और प्रतिभा के साथ अच्छी तरह मेल खाती है। जापान हमारा एक महत्वपूर्ण एफटीए साझेदार है और विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान दे रहा है। वहीं,भारत की स्थिर आर्थिक वृद्धि जापानी व्यवसायों को भारत में बनाकर दुनिया के लिए बनाने का अवसर देती है। मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और जापान दोनों ही प्रमुख क्षेत्रों में सुदृढ़ और भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने की जरूरत को समझते हैं। कनेक्टिविटी,चोक पॉइंट्स और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों में गैप जैसे मुद्दों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने इस साल जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की भारत यात्रा का भी उल्लेख किया। कहा कि रक्षा और सुरक्षा सहयोग, आर्थिक सुरक्षा, एनर्जी फ्लेक्सिबिलिटी,प्रौद्योगिकी और नवाचार तथा लोगों के बीच अधिक संपर्क दोनों देशों की साझेदारी के तहत आगे भी फोकस में रहेंगे। जयशंकर ने बताया कि 2027 में भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ होगी।

गृहमंत्री अमित शाह आज करेंगे आतंकवाद रोधी सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली में आतंकवाद रोधी दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की ओर से आयोजित इस वर्ष के सम्मेलन का मुख्य विषय 'सीमा पार आतंकवाद' है। इसमें आतंकवाद से उत्पन्न उभरते खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर सुरक्षा एजेंसियों, जांचकर्ताओं तथा विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श होगा। गृह मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के अनुरूप इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ देश की सामूहिक कार्रवाई को और मजबूत करना तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह सम्मेलन आतंकवाद रोधी अभियानों से जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों, जांच इकाइयों और तकनीकी, कानूनी तथा फॉरेंसिक विशेषज्ञों के विचार-विमर्श का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। इस बार सम्मेलन में सरकार के समग्र दृष्टिकोण के तहत सभी संबंधित पक्षों के बीच तालमेल बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

भारत ने बनाई अब बर्ड फ्लू की पहली स्वदेशी वैक्सीन

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को करेंगे लॉन्च

नई दिल्ली,18 नवंबर ,(एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को मुर्गियों के लिए भारत की पहली देसी 'इनएक्टिवेटेड एच5एव1' एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) वैक्सीन लॉन्च करने वाले हैं। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। आईसीएआर-एनआईएचएसएडी भोपाल ने मुर्गियों के लिए पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा वैक्सीन बनाई है। इस वैक्सीन से देश में फैल रहे 'क्लेड 2.3.2.1ए एच5एन1' वायरस के स्ट्रेन से सुरक्षा मिलेगी। अभी, क्लेड 2.3.2.1ए के एच5एन1 वायरस के खिलाफ कोई खास कमर्शियल वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसलिए,भारत के लिए एक देसी वैक्सीन बनाना जरूरी है। बहुत ज्यादा पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई), जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाता है,पोल्ट्री को प्रभावित करने वाली एक गंभीर बीमारी है। इसके फैलने से इंफेक्टेड पक्षियों में लगभग 100 प्रतिशत मौत हो सकती है, जिससे बड़े पैमाने पर पक्षियों को मारने और व्यापार पर रोक लगने के कारण पोल्ट्री फॉर्मरों को बड़ा आर्थिक नुकसान होता है। इसका असर सिर्फ पोल्ट्री फार्म तक ही नहीं है; यह वैश्विक व्यापार, पोल्ट्री उत्पाद की कीमतों और पोल्ट्री फॉर्मरों की रोजी-रोटी पर भी असर डाल सकता है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक,2006 में भारत में इस बीमारी का पहली बार पता चलने के बाद से, देश में एच5एन1 और एच5एन8 सबटाइप के 500 से ज्यादा मिले-जुले मामले सामने आए हैं। बर्ड फ्लू का एक बड़ा प्रकोप भारत की जीडीपी ग्रोथ को 1.5 प्रतिशत तक कम कर सकता है जबकि अगर यह बीमारी बिना कंट्रोल के फैलती है तो देश की 20 प्रतिशत से ज्यादा पोल्ट्री आबादी खतरे में पड़ सकती है। 2006 में बर्ड फ्लू के प्रकोप से लगभग 2,200-3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। मणिपुर में भी इसके प्रकोप से राज्य की जीडीपी के 0.5 प्रतिशत के बराबर नुकसान हुआ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार,2003 से भारत समेत 25 देशों में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा के 1,003 इंसानों में मामले सामने आए हैं, जिनमें 479 मौतें शामिल हैं। स्टडीज से पता चला है कि क्लेड 2.3.2.1ए नाम का एच5एन1 स्ट्रेन मुर्गियों में बर्ड फ्लू के ज्यादातर मामलों के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि इससे पोल्ट्री फॉर्मरों के पैसे के नुकसान को कम करने और मुर्गियों से दूसरे जानवरों और इंसानों में इसके फैलने को रोकने के लिए इस वायरस के फैलने को नियंत्रित करना जरूरी हो जाता है।

अकवान को लेकर आंध्र प्रदेश और ओडिशा तटों के लिए अलर्ट

नई दिल्ली। दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान अकवान लगातार आगे बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह के समय पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। अकवान के विकराल रूप के मद्देनजर आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिण ओडिशा तटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार रात 2.30 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान अकवान पिछले 6 घंटों के दौरान 3 किमी प्रति घंटे की गति

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में गांधी सागर में मंत्रिपरिषद की बैठक

मंदसौर में एग्रो व रसायन पार्क, रतलाम को बायो फार्मा पार्क की दी सौगात

मंदसौर। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंदसौर के गांधी सागर स्थित गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट में डेस्टिनेशन कैबिनेट की नौवीं बैठक हुई। बैठक में मंदसौर के ग्राम बसई में 178.83 हेक्टेयर भूमि पर एग्रो पार्क,ग्राम कुरलासी में 3,500 एकड़ से अधिक भूमि पर समर्पित रासायनिक पार्क,रतलाम में 1,121 एकड़ पर बायो-फार्मा पार्क तथा धार के भैंसोला में 842.88 एकड़ भूमि पर वस्त्र एवं संबद्ध उद्योग पार्क की स्थापना को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मंत्रि-परिषद के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रि-परिषद ने मंत्रि-परिषद ने पश्चिमी मालवा क्षेत्र के मंदसौर में ग्राम बसई में 178.83 हेक्टेयर भूमि पर एग्रो पार्क मंदसौर की स्थापना तथा इस क्षेत्र में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष वित्तीय सहायता पैकेज का अनुमोदन किया गया है। प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में इकाइयों को भूमि



आवंटन के लिए एक विशेष समिति के गठन को भी मंजूरी दी गई है। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के भारसाधक सचिव (अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव या सचिव) इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में एमपीआईडीसी भोपाल के प्रबंध संचालक, एमपीआईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय उज्जैन के कार्यकारी संचालक,एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक (भूमि प्रबंधन) तथा एमपीआईडीसी के मुख्य अभियंता को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। एग्रो पार्क में प्रमुख रूप से तीन सेक्टर और उनसे संबंधित इकाइयों को भूमि आवंटन की पात्रता होगी। इनमें कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतर्गत लहसुन, प्याज, धनिया, जीरा, मेथी एवं सोयाबीन प्रसंस्करण, मसाला ओलियोरेजिन व एसेंशियल ऑयल एक्सट्रैक्शन, डिहाइड्रेशन प्लांट्स, संतरा पल्प या जूस प्रसंस्करण और कोल्ड-चेन इकाइयां शामिल हैं। आयुष एवं हर्बल क्षेत्र में अश्वगंधा, इसबगोल, तुलसी तथा चिया जैसी औषधीय फसलों पर आधारित फाइटो-केमिकल्स, न्यूट्रास्यूटिकल्स, आयुर्वेदिक औषधि एवं फार्मा डेरिवेटिव्स इकाइयों को पात्र माना गया है। कृषि एवं खाद्य संबंधित इंजीनियरिंग व पैकेजिंग क्षेत्र में कृषि प्रोसेसिंग हाई प्रिसिशन यंत्र, माइक्रो-इरिगेशन (ड्रिप और स्प्रिंकलर) उपकरण, फूड प्रोसेसिंग मशीनरी तथा फूड-ग्रेड पैकेजिंग से जुड़ी इकाइयों को भूमि आवंटित की जा सकेगी।

गाजियाबाद की डासना जेल से रिहा हुए सपा नेता आज़म खान

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के रामपुर से सांसद रहे और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान को आज गाजियाबाद के डासना जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया है। सपा नेता बुधवार शाम को जेल से बाहर आए। उन्होंने अपने समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जेल से निकलते ही वह सीधे गाड़ी में बैठकर रामपुर के लिए रवाना हो गए। आजम खान के बेटे अब्दुल्लाह आजम खान को अपनी कार में लेकर रामपुर के लिए निकले। इस दौरान आजम खान के समर्थक बेहद बेकाबू नजर आए। उनके समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। इलाहाबाद हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद वह गाजियाबाद के सीजीएम कोर्ट में कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 50- 50 हजार रुपये के मुचलके पर रिहा हुए। इस मामले में ईडी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में भी अपील किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। आजम खान के रिहाई के बाद उनके बेटे ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हमें पिछले आठ सालों से भैंस चोरी, बकरी चोरी, मुर्गी चोरी के मामले में सजा हुई है। जो हमारे साथ हुआ,वह किसी के साथ नहीं हुआ। आजम खान को 10 साल की सजा टीवी चोरी करने नहीं करवाने के आरोप में हुई और उस जगह की सजा हुई जहां पर कोई घर ही नहीं था।

सभी मंत्रालयों को अपनी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना होगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित केंद्रीय मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली इस बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी केंद्रीय मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार की प्रत्येक योजना और नीति के केंद्र में देश की जनता होनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सीधे, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचे। प्रधानमंत्री यह महत्वपूर्ण बैठक अपने दो दिवसीय फिलीपींस दौरे से लौटने के कुछ ही घंटों बाद की। प्रधानमंत्री ने 16 और 17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 49वें आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से



कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा,जब सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को बिना किसी परेशानी और अनावश्यक बाधा के मिले। इसके लिए सभी मंत्रालयों को अपनी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने बैठक के दौरान सितंबर में आयोजित मंत्रिपरिषद के चिंतन शिविर में निर्धारित लक्ष्यों और कार्ययोजनाओं की प्रगति का फीडबैक लिया। उन्होंने मंत्रियों से पिछली बैठक के बाद हुए कार्यों का विस्तृत ब्यौरा मांगा तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में सितंबर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान तीन महत्वपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं और विभिन्न योजनाओं की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई। इनमें गरीबी उन्मूलन और वामपंथी उग्रवाद के खात्मे से संबंधित विषय भी प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने इन क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति का आकलन करते हुए आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक का मूल उद्देश्य सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक जवाबदेही और आम जनता तक विकास का लाभ सुनिश्चित करना रहा। इस महत्वपूर्ण बैठक में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए तैयार किए जा रहे रोडमैप पर विशेष चर्चा हुई।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

बुजुर्ग को बैंक की किश्त जमा कराने का झांसा देकर 1.01 लाख रुपये ठगे, आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से चित्तौड़गढ़ के युवक को पकड़ा, वारदात में एक अन्य आरोपी भी शामिल

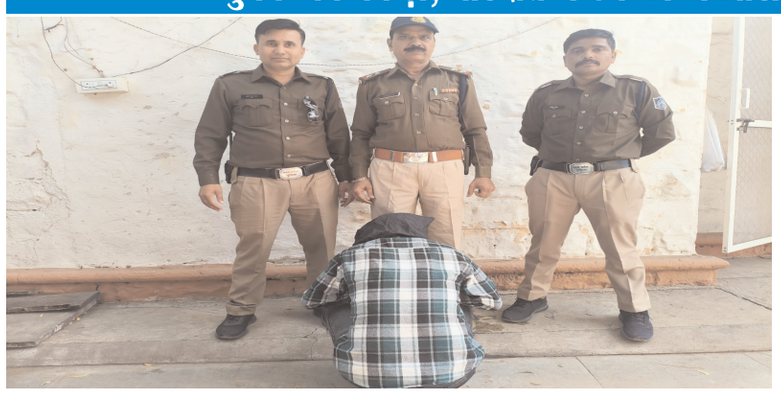

मंदसौर। दीपावली पर्व के दौरान मंदसौर आए रतलाम जिले के एक बुजुर्ग को बैंक की किश्त जमा कराने का झांसा देकर 1 लाख 1 हजार 700 रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अब दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम पिंगराला, थाना कालूखेड़ा, जिला रतलाम निवासी 70 वर्षीय जगदीश कुमावत 4 नवंबर को अपने फार्मटेक कंपनी के ट्रैक्टर की 1 लाख 1 हजार 700 रुपये की फाइनेंस किश्त जमा कराने मंदसौर आए थे। वे पुलिस पेट्रोल पंप के पास उतरे, तभी उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति मिला। उसने बुजुर्ग के पैर छुए और बातचीत के दौरान विश्वास में लेते हुए कहा कि वह बैंक से विजय के कहने पर उनकी किश्त जमा कराने के लिए आया है। इसके बाद आरोपी उन्हें अपने साथ ले गया और बैंक के बाहर बैठाकर रुपये जमा करने का कहकर वहां से फरार हो गया। घटना के बाद फरियादी ने 13 नवंबर को कोतवाली थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान किशनलाल (28) पिता रामलाल कालबेलिया निवासी लालजी का खेड़ा, पोस्ट घोसुंडा, थाना सदर, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) के रूप में की। पुलिस ने 17 नवंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि ठगी की रकम घटना वाले दिन ही मंदसौर से प्रतापगढ़ (राजस्थान) ले जाकर एक कियोस्क ई-मित्र केंद्र के माध्यम से अपने बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में जमा कराई थी। यह खाता चित्तौड़गढ़ जिले की शाखा में है। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर ले चुकी है। अब उससे रकम बरामद करने और दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौर, उपनिरीक्षक विजय पुरोहित सहित पुलिस टीम एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम के कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। टीम में प्रधान आरक्षक आलोक सिंह सहित आरक्षक शैलेंद्र सिंह, हरीश राठौर, अरुण कुमार, आशुतोष, रंजीत सिंह, जितेंद्र मालोदे, शिवलाल पाटीदार और महेश चौहान शामिल रहे।

जिले की पहचान को समेटे प्रतीक चिन्ह मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को भेंट



गांधी सागर के चीते से लेकर स्थानीय उत्पादों तक की झलक

मंदसौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 18 नवंबर को गांधी सागर आगमन के अवसर पर कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को मंदसौर जिले की पहचान से जुड़े प्रतीक चिन्ह भेंट किए। इन प्रतीक चिन्हों के माध्यम से जिले की प्राकृतिक, कृषि और स्थानीय उत्पादों की विशेषताओं को दर्शाया गया। इनमें गांधी सागर के चीते का चित्र प्रमुख रूप से शामिल था। इसके साथ ही जिले में संचालित %उपज से उद्यम% अभियान के प्रतीक चिन्हों का भी रूपांकन किया गया। प्रतीक चिन्हों में लहसुन का अचार, पोस्ता दाना और मेथी दाना जैसी जिले की पहचान रखने वाली सामग्री को स्थान दिया गया। इन भेंटों के माध्यम से मंदसौर की विशिष्ट पहचान, स्थानीय कृषि उपज और उनसे जुड़े उद्यमों को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

आनंद धाम वृद्ध आश्रम में योगाभ्यास एवं उत्साहवर्धन कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा आनंद धाम भारत-भारती में वरिष्ठ जनों के कल्याण एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से हॉलिस्टिक वेल बींग संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.दीपक कड़वे ने बताया कि यह शिविर, कार्यालय उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण जिला बैतूल के पत्र परिपालन में 17 एवं 18 नवंबर दो दिवस आयोजित किया गया। शिविर में वृद्ध जनों को रोग अनुसार सरल योग क्रियाएं, प्राणायाम, आसन करवाए गए, संगीत एवं नृत्य के माध्यम से वरिष्ठों का उत्साहवर्धन कर उन्हें आनंदित करने का प्रयास किया गया। वृद्ध आश्रम के समस्त वरिष्ठ जनों ने आनंद पूर्ण ढंग से इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग बैतूल की ओर से डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती रोशनी वर्मा की उपस्थिति रही। सेवा भारती परिवार की ओर से श्री वीरेंद्र कुमार पालीवाल एवं श्री बनकर सहित डॉ विजय तांडिलकर, डॉ वीरेंद्र सिंह शाक्य, डॉ ज्ञानेश्वर झरबडे, डॉ उर्वशी चंद्रौल, डॉ युवराज सूर्यवंशी, श्रीमती संगीता हारोड़े, श्री सुखलाल सागरे, श्री सागर शिवनकर, श्रीमती गीता पवार उपस्थित रहे।

सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास में विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

बैतूल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह-2026 अभियान के पांचवे दिवस 18 नवंबर को शासकीय मूक बधिर एवं दिव्यांग बालिका छात्रावास बैतूल एवं पाढर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल के मार्गदर्शन विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। उक्त शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश श्री सचिन कुमार घोष ने दिव्यांग बच्चों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी प्रदान की तथा गुड टच एवं बेड टच से संबंधित मुख्य बाते बताई गई। इस अवसर पर छात्रावास का निरीक्षण भी किया गया।बालिका छात्रावास सदर में छात्रावास के रसोई घर भण्डार घर एवं संयन कक्षों का निरीक्षण कर उचित निर्देश दिए गये। इस दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मिथिलेश डेहरिया उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल के द्वारा इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक कानून एवं नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

हरदा में नशे के अवैध कारोबार पर सख्ती की मांग, हरदा विधायक डॉ. दोगने ने एस.पी. को सौंपा ज्ञापन

हरदा ~ हरदा जिले में एम.डी. ड्रग्स, अफीम एवं अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और गांव-गांव किराना दुकानों सहित अन्य स्थानों पर खुलेआम बिक रही अवैध शराब के मामले को लेकर हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर हरदा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिले में नशे के ब?ते अवैध कारोबार पर चिंता जताते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कर मुख्य सरगनाओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने की मांग की। हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा ज्ञापन में लेख किया गया है कि हरदा जिले में एमडी ड्रग्स, अफीम एवं अन्य



मादक पदार्थों का अवैध कारोबार लगातार संचालित हो रहा है। पुलिस द्वारा कार्यवाही के नाम पर छोटे स्तर के आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है, जबकि इस पूरे अवैध कारोबार के पीछे सक्रिय मुख्य सरगना और ब? नेटवर्क तक पुलिस की पहुंच नहीं हो पा रही है। केवल छोटे आरोपियों की गिरफ्तारी से नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सकता। नशे का यह अवैध कारोबार युवा पी?ी के भविष्य और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

हरदा विधायक डॉ. दोगने ने ज्ञापन में रखीं 05 प्रमुख मांगें -

1. एम.डी. ड्रग्स, अफीम एवं अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त मुख्य सरगनाओं की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जावें।

2. हरदा जिले में एम.डी. ड्रग्स एवं अफीम की आपूर्ति कहां से हो रही है, इसकी जानकारी जुटाई जाए तथा सप्लाई करने वाले व्यक्तियों और उनके पीछे सक्रिय गिरोह का पता लगाया जावें।

3. नशे के अवैध कारोबार से जु? पूरे नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन, सप्लायर एवं वितरण करने वालों की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जावें।

4. हरदा शहर सहित जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किराना दुकानों एवं अन्य स्थानों पर खुलेआम बेची जा रही अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जावें।

5. जिन दुकानों एवं व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से शराब का विक्रय किया जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमित छापामार कार्यवाही कर नियमानुसार प्रकरण दर्ज किए जावे।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत संस्कार विद्या मंदिर स्कूल में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

बैतूल। तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत संस्कार विद्या मंदिर स्कूल में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे पोस्टरों के माध्यम से तंबाकू से होने वाले नुकसान को दर्शाया और लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस दौरान स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने तंबाकू का सेवन न करने की शपथ ली।कार्यक्रम में तंबाकू नियंत्रण की जिला नोडल अधिकारी डॉ. शुभांजलि बंसोड़ ने बच्चों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि तंबाकू कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण है। युवाओं को इससे पूरी तरह दूर रहना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय को %तंबाकू मुक्त संस्थान घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बालिका को न्याय दिलाने ज्ञापन देने जा रहे भीम आर्मी जिलाध्यक्ष को पुलिस ने रोका



मंदसौर। गांधीसागर में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद भीम आर्मी के पदाधिकारी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष मंगलेश सूर्यवंशी को रास्ते में रोककर डिटेन कर लिया। उन्हें पांच घंटे से अधिक समय तक पुलिस की निगरानी में रखा गया। भीम आर्मी द्वारा गरोठ थाना क्षेत्र के लुक्का गांव में सात वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की तैयारी की गई थी। इसी सिलसिले में जिला अध्यक्ष मंगलेश सूर्यवंशी गांधीसागर जा रहे थे, तभी नाहरगढ़ पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। भीम आर्मी का आरोप है कि जिला अध्यक्ष के साथ ही जिले के दलौदा, सुवासरा, गरोठ और मंदसौर सहित अन्य क्षेत्रों में भी संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनके अपने क्षेत्रों में ही नजरबंद कर दिया गया या डिटेन किया गया, ताकि वे मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने नहीं पहुंच सकें। इस कार्रवाई पर जिला अध्यक्ष मंगलेश सूर्यवंशी ने कड़ा विरोध जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सात वर्षीय बालिका को न्याय दिलाने और उसके परिवार की सहायता की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने जा रहे उन्हें और उनके साथियों को रास्ते में ही रोक दिया गया। यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए जितना प्रयास किया गया, उतना प्रयास पुलिस और प्रशासन को पीड़ित परिवार की सहायता करने में करना चाहिए था। सूर्यवंशी ने कहा कि भीम आर्मी हमेशा जनहित और न्याय की बात करती है। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद संगठन के कार्यकर्ता बालिका को न्याय दिलाने की आवाज उठाते रहेंगे।

21 नवंबर को होगी जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक

सीहोर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 21 नवंबर 2026 को प्रात: 11 बजे जिला पंचायत सीहोर के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री एवं विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सहित जिले के सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्राम स?क योजना, स्वच्छ भारत मिशन एवं अन्य योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन, नगरीय प्रशासन, कृषि एवं किसान कल्याण, जल संसाधन, वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण तथा रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित कार्यों की प्रगति पर चर्चा होगी।

हरदा में दो दिवसीय रेम्प कॉम्पोजिट कार्यशाला का आयोजन

हरदा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की रेम्प योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम राज्य नोडल एजेंसी एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, हरदा के संयुक्त तत्वावधान में होटल सयाजी, हरदा में दो दिवसीय कॉम्पोजिट कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के प्रथम दिवस उद्यमियों, स्टार्टअप्स एवं आकांक्षी युवाओं को केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं तथा एमएसएमई क्षेत्र के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले के उद्यमियों एवं नवोदित स्टार्टअप्स को शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना, वित्तीय साक्षरता को ब?ावा देना, व्यवसाय के औपचारिकीकरण, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा तथा उद्यमों के सतत विकास के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी,?ला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव उपस्थित रहे। साथ ही लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री अभय जैन, उद्योग संघ हरदा के कोषाध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सुश्री नेहा चौहान, प्रबंधक श्री राधारमण जवरा एवं सहायक प्रबंधक सुश्री ऋचा चक्रधर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह के तहत दिव्यांगजनों को उनके विधिक अधिकारों एवं निशुल्क विधिक सहायता के संबंध में किया जागरूक

हरदा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में 14 से 20 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे ''न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के पंचम दिवस 18 नवम्बर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा दिव्यांग बालक छात्रावास, अबगांव कला में दिव्यांगजनों के विधिक अधिकारों एवं निशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुरेश कुमार सूर्यवंशी ने उपस्थित दिव्यांग बालकों को उनके विधिक अधिकारों, विधिक संरक्षण एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि दिव्यांगजनों को समानता, सम्मान एवं गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्राप्त है तथा



उनके अधिकारों का संरक्षण करने तथा न्याय तक उनकी सुगम और समान पंहुच सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न कानूनी प्रावधान किए गए है। साथ ही दिव्यांगजनों को उपलब्ध सुविधाओं एवं उनके हितार्थ बनाए गए कानूनों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध विधिक सहायता एवं विधिक सेवाओं की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होने बताया कि पात्र दिव्यांगजन अपनी व्यक्तिगत एवं विधिक समस्याओं के निराकरण के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निशुल्क विधिक परामर्श एवं सहायता प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता के अनुरूप संबंधित शासकीय विभागों एवं प्राधिकरणों से समन्वय स्थापित कर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब कराने के संबंध में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के साथ ही दिव्यांग बालकों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम चित्रकला, गायन, नाटक, देशभक्ति गीत, नृत्य, रंगोली, पोस्टर मेकिंग एवं पेन्टिंग आदि प्रतियोगिताऐं आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिताओं में दिव्यांग बालकों द्वारा उत्साह के साथ ब? च?कर भाग लिया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके विधिक अधिकारों, कानूनी संरक्षण एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए समावेशी, सुलभ एवं समान न्याय की अवधारणा को प्रभाव रूप से साकार करना रहा। शिविर में छात्रावास के कुल 23 दिव्यांग बालक, छात्रावास के वार्डन, अन्य स्टॉफ, पैरालीगल वॉलेंटियर रेनू शिंदे उपस्थित रहे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, गुरूवार 19 नवम्बर 2026

राम-राम के बाद भाजपा का नया नारा, राधे-राधे कमल खिला दे

मथुरा। ईएमएस उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अभी से चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा ने मथुरा से नया चुनावी नारा 'राधे-राधे, कमल खिला दे' दिया है। इससे पहले पार्टी भगवान राम के नारे के साथ चुनावी अभियान को आगे बढ़ाती रही है। मथुरा में दो दिवसीय बैठक के समापन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने और घर-घर तक पहुंचने का आह्वान किया।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को आवास आवंटन में देरी क्यों : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास आवंटित करने में हो रही देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक आवास न मिलना अनुचित है और यह संवैधानिक पद की गरिमा को कम करता है। गहलोत ने कहा कि कार्यकाल पूरा करने या पद से इस्तीफा देने के बाद एक पूर्व उपराष्ट्रपति टाइप 8ज बंगले के हकदार होते हैं, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद धनखड़ को अभी तक कोई सरकारी आवास नहीं मिला है।

आज देश ऐसे हाथों में है जो केवल झूठ फैलाते हैं : उद्धव ठाकरे

शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा सत्ता परिवर्तन ही एकमात्र विकल्प



मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। महाराष्ट्र में कोविड-19 संकट के दौरान उनके नेतृत्व को लेकर अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जवाब देते हुए ठाकरे ने उन्हें अफवाहें फैलाने वाला करार दिया। शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की 14वीं पुण्यतिथि और जन्म शताब्दी वर्ष के मौके पर उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री शाह की विश्वसनीयता और उनके पुराने राजनीतिक बयानों पर सवाल उठाए। शिवसेना-यूबीटी प्रमुख ने याद दिलाया कि भारतीय जनता पार्टी ने पहले महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार पर 70,000 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और उनका जीवन मुश्किल कर दिया था। ठाकरे ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अजीत पवार की प्रतिमा का अनावरण अमित शाह जैसे अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति ने किया। मुझे उम्मीद थी कि शाह प्रतिमा के सामने माफी मांगते हुए अपनी नाक रगड़ेंगे और स्वीकार करेंगे कि वे आरोप झूठे थे। अगर उन्होंने अजीत दादा के जीवित रहते उनके बारे में दो शब्द भी तारीफ के कहे होते तो उन्हें तसल्ली मिलती। उन्होंने कहा,अजीत पवार को उनके जीवनकाल में 70,000 करोड़ रुपए के झूठे भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए परेशान किया गया,और अब वही अमित शाह प्रतिमाओं का अनावरण कर रहे हैं और तारीफों के पुल बांध रहे हैं। अगर उन्होंने अजीत पवार के जीवित रहते तारीफ के दो शब्द भी कहे होते, तो उन्हें शांति मिलती। जो लोग झूठ बोलते हैं,उनके बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है। ठाकरे का यह बयान 16 नवंबर को पुणे में हुए एक कार्यक्रम के बाद आया है, जहां गृह मंत्री शाह ने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की प्रतिमा का अनावरण किया था। अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने कोविड-19 महामारी के समय अजीत पवार के काम करने के तरीके की तारीफ की। उन्होंने दावा किया कि जब वे सुबह-सुबह फोन करते थे, तो अजीत पवार तुरंत जवाब देते थे,जबकि उस समय के मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) से संपर्क नहीं हो पाता था। महामारी के दौरान फोन न उठाने के गृह मंत्री के आरोपों को खारिज करते हुए ठाकरे ने भाजपा शासित राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र के प्रशासनिक प्रदर्शन की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा,अगर यह सच होता कि मैंने उनके फोन नहीं उठाए, तो महाराष्ट्र में भी उत्तर प्रदेश जैसे हालात देखने को मिलते,जहां शवों को गंगा में फेंक दिया गया था। इसके बजाय हमारे प्रशासन ने वह कर दिखाया जो प्रधानमंत्री मोदी थालियां बजाकर भी हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में मतदाताओं को उस कुप्रबंधन को नहीं भूलना चाहिए। दिल्ली में हाल ही में हुए जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान संसद से गृह मंत्री अमित शाह की गैरमौजूदगी पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि देश ऐसे नेताओं के हाथों में है जो केवल झूठ फैलाते हैं,इसलिए अब सत्ता परिवर्तन ही एकमात्र विकल्प बचा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 नवंबर को करेंगे 'नीतीश सेतु' का लोकार्पण

उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी-घटेगा यातायात का दबाव

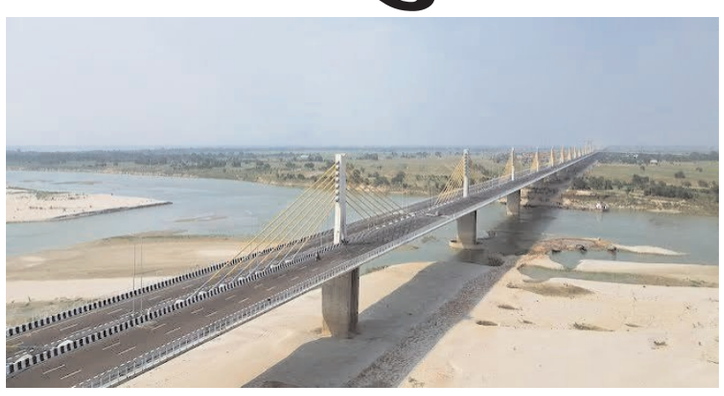

पटना। बिहार की आधारभूत संरचना को मजबूती देने वाली महत्वाकांक्षी कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन गंगा पुल परियोजना पूरी हो गई है। अब यह पुल नीतीश सेतु के नाम से जाना जाएगा। आगामी 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पुल का लोकार्पण कर इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस परियोजना से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन सुगम होने के साथ राज्य की आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। गंगा नदी पर निर्मित यह छह लेन पुल आधुनिक इंजीनियरिंग का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके शुरू होने से पटना और वैशाली के बिदुपुर के बीच सीधा संपर्क मजबूत होगा। साथ ही उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच दशकों से चली आ रही आवागमन संबंधी चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना वर्ष 2012 में राज्य की तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने की थी। उसी वर्ष सितंबर में आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार (आईडीए) ने इसे सैद्धांतिक मंजूरी दी। इसके बाद फरवरी 2013 में ट्रांजैक्शन एडवाइजर की नियुक्ति की गई और कार्यकारी एजेंसी बिहार राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड (बीएसआरडीसीएल) को परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। जून 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष पुल के एलाइनमेंट का प्रस्तुतीकरण किया गया। अगस्त 2014 में केंद्र की राजग सरकार ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से ऋण सहायता की सिफारिश की। इसके बाद दिसंबर 2014 में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया। मार्च 2015 में मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में निर्माण कार्य को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। जुलाई 2015 में राज्य सरकार से प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय निविदा आमंत्रित की गई और निर्माण एजेंसी के साथ अनुबंध कर परियोजना का काम शुरू हुआ। इंजीनियरिंग,खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) पद्धति से तैयार इस छह लेन पुल परियोजना पर कुल 5,571.69 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसमें एशियाई विकास बैंक ने 3,472.15 करोड़ रुपये की ऋण सहायता दी, जबकि बिहार सरकार ने 2,099.54 करोड़ रुपये का योगदान किया। परियोजना में केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय एवं प्रशासनिक समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुल के चालू होने से राजधानी पटना और वैशाली के बीच यात्रा आसान होगी। इससे यात्रियों के समय और ईंधन की बचत होगी तथा उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से पटना पहुंचना अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। परिवहन व्यवस्था में सुधार का सीधा लाभ कृषि उत्पादों की ढुलाई को भी मिलेगा।

त्योहार के बाद लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने किए व्यापक इंतजाम

यात्रियों को ना हो परेशानी, चलाई विशेष ट्रेनें और स्टेशनों पर बनाएं होल्डिंग एरिया



नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के बाद बिहार से अपने कार्यस्थलों और अन्य राज्यों की ओर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने भारतीय रेलवे ने कमर कस ली है। रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बिहार के प्रमुख रेलवे स्टेशनों और कई रेलवे जोन में व्यापक स्तर पर विशेष इंतजाम किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेल मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे के प्रमुख जोन में विशेष ट्रेन चलाई जा रही हैं। रेल मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय रेल मंत्री पूरे नेटवर्क में वास्तविक समय में यात्रियों की आवाजाही और परिचालन संबंधी तैयारियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेते हुए रेल मंत्री ने पटना, मुजफ्फरपुर,राजेंद्र नगर, दरभंगा और दानापुर समेत बिहार के प्रमुख आरंभिक और पारगमन केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। मंत्रालय ने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर प्लेटफार्म पर अत्यधिक भीड़ से बचने के लिए सुसज्जित प्रतीक्षा क्षेत्र बनाया हैं। इन क्षेत्रों में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था,पीने का पानी, स्वच्छता सुविधाएं, सार्वजनिक उद्घोष प्रणाली और ट्रेन के प्रस्थान के लिए स्पष्ट संकेत उपलब्ध कराए गए हैं। यात्रियों को उनकी ट्रेन के निर्धारित समय से कुछ देर पहले ही प्लेटफार्म पर जाने की अनुमति दी जा रही है। मंत्रालय के मुताबिक इन विशेष प्रतीक्षा क्षेत्रों में यात्रियों की सुविधा के लिए निम्नलिखित बुनियादी और आधुनिक व्यवस्थाएं तय की गई हैं- बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के आराम के लिए बड़ी संख्या में कुर्सियों और शेड का इंतजाम किया गया। स्वच्छ पीने के पानी के स्टेशनों और मोबाइल व स्थायी शौचालयों की नियमित सफाई। ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान की सटीक जानकारी देने के लिए आधुनिक सार्वजनिक उद्घोष प्रणाली और स्पष्ट डिजिटल व भौतिक संकेत। प्रतीक्षा क्षेत्रों के पास ही अतिरिक्त अनारक्षित टिकट काउंटर और मे आई हेल्प यू बूथ स्थापित किए गए हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा में सुरक्षा नियमों का पालन करें, अफवाहों पर ध्यान न दें और स्टेशन पर तैनात रेल कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों का सहयोग करें।

आईएएस शिखर अग्रवाल ने किया राजस्थान हाई कोर्ट का रुख



जयपुर। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल ने राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की प्रारंभिक जांच और राज्य सरकार की ओर से दी गई मंजूरी को चुनौती दी है। इस मामले पर 19 नवंबर को सुनवाई होने की संभावना है। आईएएस शिखर अग्रवाल का आरोप है कि उन्हें अपना पक्ष रखने का कोई सार्थक मौका दिए बिना ही यह मंजूरी दे दी गई। उन्होंने तर्क दिया है कि सरकार की ओर से स्पष्टीकरण मांगने की प्रक्रिया सिर्फ एक औपचारिकता थी, न कि अपनी बात रखने का कोई वास्तविक अवसर। याचिका के अनुसार, घटनाओं का यह क्रम 27 अक्टूबर से शुरू हुआ, जब अग्रवाल छुट्टी पर विदेश में थे। अगले दिन, 28 अक्टूबर को, उन्हें एपीओ सूची में डाल दिया गया। 30 अक्टूबर को राज्य सरकार ने एसीबी को जांच आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी। याचिका में यह भी कहा गया है कि अजबगढ़ रिसॉर्ट परियोजना से जुड़े सभी जरूरी तथ्य और आधिकारिक रिकॉर्ड पहले से ही सरकार के पास मौजूद थे, लेकिन जांच की मंजूरी देते समय इन पर ध्यान नहीं दिया गया। याचिका के अनुसार, अजबगढ़ रिसॉर्ट परियोजना में लगभग 115 करोड़ रुपए का निवेश शामिल था और इसे किसी एक व्यक्ति ने मंजूरी नहीं दी थी। इसके बजाय, मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली 14 सदस्यीय स्टैंडिंग एम्पावर्ड कमिटी ने इस परियोजना की सिफारिश की थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले सात सदस्यीय बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट (बीओआई) ने इसे मंजूरी दी थी। अग्रवाल की याचिका में यह भी बताया गया है कि पर्यटन से जुड़ी तीन अन्य परियोजनाओं के लिए भी इसी तरह की संस्थागत मंजूरी प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने मामले के अंतिम निपटारे तक एसीबी की प्रारंभिक जांच और राज्य सरकार की ओर से दी गई मंजूरी पर रोक लगाने की मांग की है।शिखर अग्रवाल, उनकी पत्नी आईपीएस अधिकारी प्रशाखा माथुर और परिवार के अन्य सदस्य गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े हुए हैं। बताया जाता है कि 2023 से 2026 के बीच, कंपनी ने उदयपुर के बुझड़ा स्थित एक रिसॉर्ट में 20 कॉटेज और अलवर के अजबगढ़ में 20 विला खरीदे।

महिला से रिश्वत मांगने, आपत्तिजनक बातचीत के आरोप में दारोगा निलंबित



वीडियो वायरल होने के बाद वरिष्ठ अधिकरयों ने जांच रिपोर्ट देने का दिया निर्देश

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में जमीन विवाद के एक मामले में महिला से रिश्वत लेने और आपत्तिजनक बातचीत करने के आरोप में सुगौली थाने में तैनात एक दारोगा को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर दारोगा और महिला के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने यह कार्रवाई की। निलंबित पुलिस पदाधिकारी की पहचान शैलेश कुमार के रूप में हुई है। मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सौंपी गई है और 24 घंटे के भीतर जांच प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो रिकॉर्डिंग के अवलोकन से सुगौली थाना के एक पुलिस पदाधिकारी द्वारा जमीन विवाद से संबंधित मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं करने और मामले को रफा-दफा करने के एवज में चार हजार रुपये लेने तथा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने से संबंधित बातचीत सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुगौली के पर्यवेक्षी पदाधिकारी पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार से जांच कराई गई। जांच में पता चला कि सात अक्टूबर को एक महिला ने सुगौली थाने में आवेदन देकर जमीन विवाद के दौरान झोपड़ी में आग लगाने और तोड़फोड़ का आरोप लगाया था। इस मामले की जांच अवर निरीक्षक शैलेश कुमार कर रहे थे। इसी दौरान प्राथमिकी दर्ज नहीं करने और मामले को रफा-दफा करने के एवज में चार हजार रुपये लेने से संबंधित बातचीत हुई थी। वायरल ऑडियो में महिला दारोगा से शिकायत करती सुनाई देती है कि वह उसके पक्ष में काम नहीं कर रहे हैं। इस पर दारोगा कथित तौर पर कहता है, तुम एक रात आओ, हम तुम्हारे तरफ से हो जाएंगे। महिला बातचीत के दौरान पहले ही दो बार में चार हजार रुपये देने की बात भी कहती है। इसके अलावा, महिला से 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, प्रथमदृष्टया शैलेश कुमार की संलिप्तता प्रतीत होती है। उनके इस आचरण से आम जनमानस में पुलिस के प्रति अविश्वास और असंतोष की भावना उत्पन्न हुई है।

दिल्ली में एक्यूआई का स्तर सुधरा, लोगों ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को नवंबर की अब तक की सबसे साफ हवा दर्ज की गई और एक्यूआई 204 रहा। इस बीच शहर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह रही और सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा। इस महीने 'खराब' श्रेणी में 204 के एक्यूआई के साथ दिल्ली की हवा सबसे बेहतर रही। इससे कई दिनों से बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। बता दें इससे पहले दिल्ली में 31 अक्टूबर को एक्यूआई 117 दर्ज किया गया था, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। आंकड़े दर्ज करने वाले 58 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 31 'खराब' श्रेणी में रहे, 26 में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' दर्ज की गई,जबकि एक केंद्र, सिरीफोर्ट में 303 एक्यूआई के साथ वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। दिल्ली में नवंबर के ज्यादातर समय धुंध छाई रही और प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा। दिवाली से पहले और बाद दोनों ही अवधि में एक्यूआई खराब रहा। मंगलवार को दर्ज एक्यूआई से लंबे समय से खराब वायु गुणवत्ता का सामना कर रहे लोगों को कुछ राहत मिली है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 19 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

नज़रिये में खोट है

यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। संभव है कि नरेंद्र मोदी सरकार इसे अपनी उपलब्धि माने कि विकसित भारतङ्गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम-जी योजना पर सुस्त प्रगति के कारण सरकारी खजाने में करीब 50,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इस बचत का इस्तेमाल उर्वरक सब्सिडी के रूप में आए अतिरिक्त बोझ को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इस वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी पर 40,000- 50,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का अनुमान है। बहरहाल, ऐसा होने का अर्थ होगा कि सरकार सबसे निचले पायदान पर स्थित श्रमिक वर्ग की कीमत पर राजकोषीय सेहत बेहतर करेगी। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है। यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। वीबी-जी रामजी योजना मनरेगा की जगह लाई गई। मनरेगा के तहत 100 दिन तक मिलने वाले काम से ग्रामीण श्रम के भुगतान का न्यूनतम प्रतिमान तय होता था, जिससे होने वाली आय ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग को सहारा देती थी। उससे गांवों से पलायन घटता था, जिससे शहरी मजदूरों को भी बेहतर मेहताना मिल पाता था। इससे भारतीय बाजार का मामूली, लेकिन बड़े दायरे में विस्तार हुआ। लेकिन उसकी जगह लागू योजना मांग-आधारित नहीं रही। केंद्र एवं राज्य अब 60ः40 के अनुपात में खर्च साझा करते हैं, जैसा अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में होता है। इन पहलुओं के कारण नई योजना पर अमल सुस्त हो गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र ने इस योजना के लिए 95,692 करोड़ रुपये रखे हैं, जबकि राज्यों का हिस्सा 1.51 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। जाहिर है, इससे योजना को लागू करने में राज्यों की दिलचस्पी घट गई है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष के बाकी पांच महीनों में गति बढ़ने पर भी केंद्र का वार्षिक खर्च 40,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा। सरकार इस पर राहत महसूस कर सकती है, लेकिन भारत के मजदूरों और अर्थव्यवस्था के लिए यह बुरी खबर है।

मोदी की किताबें, सोनिया की किताब

हरिशंकर व्यास



> नरेंद्र मोदी की किसी किताब पर कभी कोई चर्चा हुई हो, बहस हुई या उसमें कमी निकालने की होड़ मची हो, ऐसा भी नहीं है। इसका अर्थ है कि किताब आई-गई हो गई। यह भी अर्थ है कि लोगों को यह जानने में कोई जिज्ञासा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या लिख रहे हैं। उनकी एकमात्र चर्चित किताब 'एग्जाम वॉरियर्स' है। यह किताब पेंग्विन से छपी है, जो उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए लिखी है। लेकिन इस किताब की भी सकारात्मक तरीके से शायद ही कभी चर्चा हुई है। ऐसी तो कोई मिसाल नहीं है, जिससे लगे कि बच्चों या उनके अभिभावकों को इस किताब से बहुत लाभ मिला। हां, पिछले दिनों जब लगातार नीट की परीक्षा के पेपर लीक और गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन चल रहे थे तब कई लोगों ने इस पर तंज करते हुए लिखा कि नरेंद्र मोदी ने 'एग्जाम वॉरियर्स' नाम से किताब लिखी और उनकी सरकार ने सचमुच बच्चों को वॉरियर बना दिया। अब परीक्षा से पहले और बाद में बच्चों को कई मोर्चे पर लड़ना पड़ता है। पहली लड़ाई तो यही है कि परीक्षा समय पर हो। दूसरी लड़ाई है कि परीक्षा देने के लिए छात्र सेंटर पर पहुंच जाएं क्योंकि कई परीक्षाएं एक दिन रख दी जाती हैं, सेंटर इतनी दूर कर दिए जाते हैं कि बच्चें पहुंच नहीं पाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दर्जन किताबें लिखी हैं। इसमें कविता की किताब है, मोटिवेशनल किताब है, बच्चों के लिए किताब है। सामाजिक समरसता व जलवायु परिवर्तन के ऊपर भी किताब है। ये सारी किताबें प्रधानमंत्री बनने के बाद छपी हैं। लेकिन अगर किसी से इन किताबों के बारे में पूछें तो शायद ही कोई बता पाए। भाजपा के ज्यादातर नेता भी इन किताबों के बारे में नहीं जानते हैं। न उनकी चर्चा करते हैं। किसी भी किताब को लेकर कभी ऐसी हाइप नहीं बनी, जैसी सोनिया गांधी की किताब को लेकर बनी है। नरेंद्र मोदी की किसी किताब पर कभी कोई चर्चा हुई हो, बहस हुई या उसमें कमी निकालने की होड़ मची हो, ऐसा भी नहीं है। इसका अर्थ है कि किताब आई-गई हो गई। यह भी अर्थ है कि लोगों को यह जानने में कोई जिज्ञासा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या लिख रहे हैं। उनकी एकमात्र चर्चित किताब 'एग्जाम वॉरियर्स' है। यह किताब पेंग्विन से छपी है, जो उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए लिखी है। लेकिन इस किताब की भी सकारात्मक तरीके से शायद ही कभी चर्चा हुई है। ऐसी तो कोई मिसाल नहीं है, जिससे लगे कि बच्चों या उनके अभिभावकों को इस किताब से बहुत लाभ मिला। हां, पिछले दिनों जब लगातार नीट की परीक्षा के पेपर लीक और गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन चल रहे थे तब कई लोगों ने इस पर तंज करते हुए लिखा कि नरेंद्र मोदी ने 'एग्जाम वॉरियर्स' नाम से किताब लिखी और उनकी सरकार ने सचमुच बच्चों को वॉरियर बना दिया। अब परीक्षा से पहले और बाद में बच्चों को कई मोर्चे पर लड़ना पड़ता है। पहली लड़ाई तो यही है कि परीक्षा समय पर हो। दूसरी लड़ाई है कि परीक्षा देने के लिए छात्र सेंटर पर पहुंच जाएं क्योंकि कई परीक्षाएं एक दिन रख दी जाती हैं, सेंटर इतनी दूर कर दिए जाते हैं कि बच्चें पहुंच नहीं पाते हैं। तीसरी लड़ाई यह है कि परीक्षा हो जाए तो पेपर लीक नहीं हों। इन सबसे पार पाकर अगर परीक्षा दे दी तो चौथी लड़ाई है कि अंकों में गड़बड़ी नहीं हो या किसी अन्य धांधली का खुलासा न हो, जिसके बाद परीक्षा रद्द हो जाए। बहरहाल, 'एग्जाम वॉरियर्स' के अलावा मोदी ने 11 और किताबें लिखी हैं। एक किताब का नाम है 'साक्षी भाव' यह किताब प्रभात प्रकाशन से छपी है और यह मोदी की कविताओं का संग्रह है, जिसमें पहली कविता मां पर है। मोदी ने लिखा है कि ये कविताएं उन्होंने आत्मसुख के लिए लिखी है। ऐसे ही कविता की एक अन्य किताब है 'अ जर्नी: पोएम्स बाई नरेंद्र मोदी'। यह किताब रूपा प्रकाशन से छपी है। यह गुजराती में लिखी गई 67 कविताओं का संग्रह है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'कन्वीनिएंट एक्शन' नाम से किताब लिखी है, जिसे लेक्सिस नेक्सिस नाम के प्रकाशन ने छापा है। ऐसे ही 'राष्ट्र सर्वोपरि मानने वाले तपस्वी मनीषियों का पुण्य स्मरण' करने के लिए मोदी ने 'ज्योति पुंज' नाम से किताब लिखी है, जिसे प्रभात प्रकाशन ने छापा है। सिंगापुर में उनके लेक्चर को लेकर भी एक किताब छपी है। इनमें कई किताबें ऐसी हैं, जो गुजराती, हिंदी में छपी हैं और फिर अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। 'सोशल हारमनी' और 'सामाजिक समरसता' नाम से दो किताबें हैं। इसके बरक्स सोनिया गांधी की पहली किताब है-'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव'। इस किताब की इतनी चर्चा है, जितनी हाल के दिनों में किसी किताब की नहीं हुई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेस के नेताओं के बीच, उसके इकोसिस्टम में चर्चा है। बौद्धिक जगत में भी इस किताब पर बात हो रही है। हर प्लेटफ़ॉर्म पर किताब की समीक्षा हो रही है। मीडिया और सोशल मीडिया में किताब के हर अध्याय को लेकर अच्छी या बुरी समीक्षा की जा रही है। भाजपा के प्रवक्ता उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो भाजपा की सहयोगी पार्टियों के नेता भी किताब खरीद कर गर्व के साथ उसका प्रदर्शन कर रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद अरुण भारती की तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे खान मार्केट के बाहरी संस से सोनिया गांधी की किताब लेकर निकल रहे थे। जाहिर है कि हर पक्ष किसी न किसी मुद्दे को लेकर जानना चाहता है कि सोनिया गांधी की उस पर क्या राय है। यह उनके निजी जीवन की किताब है इसके बावजूद समकालीन राजनीति की बहुत सारी बातें इसमें हैं। वैसे इस किताब का प्रचार तो पहले ही हो गया, जब पेंग्विन ने इसे छापने से मना किया। उस समय कहा गया कि इसमें लिखी कुछ बातों से सरकार को आपत्ति है इसलिए पेंग्विन ने छापने से मना किया है। तभी इस किताब को अच्छा खासा प्रचार मिला। फिर भाजपा के नेताओं ने पहले दिन से बिना पढ़े किताब की समीक्षा शुरू कर दी। उससे भी किताब के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी। प्रकाशक ने पहला संस्करण एक लाख कॉपी में छापा है। किसी भी नॉन फिक्शन बुक के लिए यह बहुत बड़ी संख्या है। खासतौर से भारत में क्योंकि भारत में किताबें खरीद कर पढ़ने की परंपरा कभी नहीं रही है। अमेरिका, यूरोप में आमतौर पर किताबों की एक मिलियन यानी 10 लाख प्रति बिक जाती है। भारत में ऐसा नहीं होता है। फिर भी सोनिया गांधी की किताब नए रिकॉर्ड बनाती लगती है।

राशिफल



मेष राशि- आज का दिन अनुकूल मेष राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता के साथ आप अपने मन की बातें साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज कार्यों में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि- आज का दिन ठीक-ठाक वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन उत्तम मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति समर्पण होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन उत्तम कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

सिंह राशि- आज उमंग और खुशी सिंह राशि वालों आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, उसे पूरे मन से करेंगे। आपको कोई नया अनुभव मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

कन्या राशि- आज का दिन अनुकूल कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

तुला राशि- माता-पिता की सेवा में बीतेगा दिन तुला राशि वालों आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो पहले उसकी अच्छी तरह जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजन संबंधी यात्रा का कार्यक्रम बनेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन शानदार वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपनी पढ़ाई और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी कागजी काम करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशि- आज उमंग से भरा रहेगा दिन धनु राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की अच्छी आय होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के बाद काम बन जाएगा। सगे-संबंधियों से अच्छा तालमेल बनेगा। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि- आज का दिन बेहतरीन मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है, क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेशपूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशि- कार्यक्षेत्र में मिलेगी तरक्की कुंभ राशि वालों आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने के बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे, तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। आज अनुभवी और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन तथा सलाह पर उचित अमल करें।

मीन राशि- नौकरी में मिलेंगे अच्छे अवसर मीन राशि वालों आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर आने के योग बन रहे हैं और उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे। भाइयों के साथ चल रही समस्या किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से हल हो जाएगी।

भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद

प्रो.संजय द्विवेदी



भारतीय समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं-भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु नए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग-बलिदान को समाज के सामने लाना रहा। भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899-1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी ज़मीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीवी है। प्रकृति का संरक्षण और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में वे आदर प्राप्त कर सके। इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं, समाज सुधारक हैं, प्रकृतिप्रेमी हैं,विद्रोही हैं। हर अवतार में पूर्ण। भगवान बिरसा की सोच साफ थी कि प्रकृति और वन संपदा पर जनजातीय समाज का पहला और अंतिम अधिकार है। अंग्रेजों द्वारा लाए गए वन कानूनों के माध्यम से जनजातियों को उनके ही मूल स्थान से बेदखल करने का उन्होंने ताजिंदगी विरोध किया। भगवान बिरसा के नेतृत्व में चले आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है- बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं, और कहा, यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा। वे गांव-गांव बीमारों से मिलने जाते थे, और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे। भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है। जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली का पाठ पढ़ाने वाला जनजातीय समाज हमारा गौरव है। हमें उनसे जीवन मूल्य सीखने की जरुरत है। उनकी पारंपरिक कलाओं, प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प सब कुछ बहुत समृद्ध है। इन चर्चाओं के बीच आज भी जनजातीय समाज की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जनजातीय समाज के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुपोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी कई चिंताएं आज भी बनी हुई हैं। फिर उनके विकास योजनाओं के कारण हो रहे उनके विस्थापन की पीड़ा तो है ही। इसलिए विस्थापन को रोकने, ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के साथ पांचवीं और छठीं अनूसूची के अनुसार मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों को प्रदान करने के मुद्दे तो सामने हैं ही। जनजातीय गौरव दिवस की सार्थकता तभी है जब हम जनजातियों के जीवन से जुड़े सवालों को हल कर सकें। यह भी गौरव की विषय है इस समय देश के राष्ट्रपति पद पर जनजातीय समाज की महिला विराजमान हैं। यह देश की महिलाओं और जनजातीय समाज दोनों के लिए प्रेरणा का विषय है। ऐसे सुंदर समय में जनजातीय मुद्दों और नायकों की याद करते हुए प्रकृति प्रेमी समाज बनाने की प्रेरणा लें। यही भाव एक सुंदर दुनिया के सपने को साकार करेगा। (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

NCBS अधिकारी - ऑनलाइन आवेदन कैसे करें जानें





चाहे आप एक अनुभवी पेशेवर हों या एक ताजा स्नातक हों, हम आपको में शामिल होने के अपने मार्ग को तय करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी और सुझाव प्रदान करेंगे। अधिकारी भूमिकाओं को समझना राष्ट्रीय जीवविज्ञान केंद्र (एनसीबीएस) आमतौर पर विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में विभिन्न अफसर पदों की पेशेवर जगहें प्रदान करता है। कृपया ध्यान दें कि विशिष्ट नौकरी उपाधियां और भूमिकाएँ बदल सकती हैं, लेकिन यहां कुछ सामान्य अफसर पद हैं जो आप एनसीबीएस में पा सकते हैं :

प्रशासनिक अधिकारी : सुनिश्चित करते हैं कि प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सहज रूप से चल रही हैं।

वित्त अधिकारी : बजट और वित्तिय प्रतिवेदन का प्रबंधन करते हैं।

मानव संसाधन अधिकारी : भर्ती और कर्मचारी संबंधों का प्रबंधन करते हैं।

अनुसंधान अधिकारी : अनुसंधान प्रयासों का समर्थन करते हैं।

आईटी अधिकारी : तकनीकी बुनाई और समर्थन का प्रबंधन करते हैं।

पुस्तकालय अधिकारी : पुस्तकालय संसाधनों का परिदृश्य करते हैं।

सुविधाएँ अधिकारी : भौतिक सुविधाओं का बनाए रखते हैं।

कानूनी अधिकारी : कानूनी सलाह और अनुपालन प्रदान करते हैं।

संचालन अधिकारी : आंतरिक/बाहरी संचालन का प्रबंधन करते हैं।

सुरक्षा अधिकारी : अनुसंधान सुरक्षा अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।

खरीदी अधिकारी : माल/सेवा खरीदी का प्रबंधन करते हैं।

प्रोजेक्ट अधिकारी : विशिष्ट परियोजनाओं का परिदृश्य करते हैं।

अनुदान अधिकारी : अनुसंधान वित्त प्राप्ति करते हैं।

प्रवेश अधिकारी : कार्यक्रम प्रवेश का प्रबंधन करते हैं।

तकनीकी अधिकारी : प्रयोगशाला/अनुसंधान समर्थन प्रदान करते हैं।

प्रकाशन अधिकारी : अनुसंधान प्रकाशनों का प्रबंधन करते हैं। कृपया ध्यान दें कि ये संक्षिप्त विवरण हैं, और एनसीबीएस के हर पद में विशिष्ट भूमिकाएँ और जिम्मेदारियों में अंतर हो सकता है।

आवेदकों की आवश्यक दस्तावेज और जानकारी

अफसर पद के लिए अपने आवेदन को तैयार करें, यह सुनिश्चित करके कि आपके पास आवश्यक दस्तावेज़ और जानकारी है। प्रारंभ से संगठित रहना आपके हृष्टक्वस्‍ के साथ आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाएगा।

शैक्षिक प्रमाणपत्र : शैक्षिक प्रमाणपत्र, अंक पत्रिकाएँ, और संबंधित पाठ्यक्रम शामिल करें।

काम अनुभव : नौकरी के खाते, नियोक्ता, तिथियों, और जिम्मेदारियों की सूची दें।

पेशेवर प्रमाणपत्र : संबंधित प्रमाणपत्र या लाइसेंस का उल्लेख करें।

संदभ : पेशेवर संदर्भों के लिए संपर्क जानकारी प्रदान करें।

आईडी और पता प्रमाण : सरकार द्वारा जारी किए गए आईडी और पता प्रमाण शामिल करें।

पासपोर्ट फोटो : मानद प्रारूप के अनुसार हाल की पासपोर्ट आकार की तस्वीरें जोड़ें।

उद्देश्य की घोषणा (यदि आवश्यक हो) : मांग की गई अनुसंधान घोषणा प्रस्तुत करें।

आवेदन शुल्क (यदि लागू हो) : संबंधित शुल्क की भुगतान की पुष्टि करें।

संपर्क जानकारी : संचालन के लिए अपना ईमेल और फ़ोन नंबर साझा करें।

लॉगिन विवरण : यदि लागू हो, तो अपना उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड नोट करें। कभी भी अपने आवेदन को प्रस्तुत करने से पहले सुनिश्चित करें कि सभी दस्तावेज़ सटीक और वर्तमान हैं।

योग्यता मानदंड और आवश्यकताएँ

अधिकारी पद के लिए आवेदन करने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप विशिष्ट योग्यता मानदंड और आवश्यकताओं को समझें। यहां एक संक्षेपण है जो आपको मदद करेगा जानने में कि आप उस भूमिका के लिए पूर्वस्थिति मिलती है जिसमें आपकी रुचि है :

शिक्षा : किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक या स्नातक की डिग्री। आवश्यकतानुसार विशिष्ट योग्यताएँ (जैसे की वित्त भूमिकाओं के लिए सीए/आईसीडब्ल्यूए)।

अनुभव : न्यूनतम योग्य अनुभव जोड़ा जाना आवश्यक है। समर्पित भूमिका के अनुभव की प्राथमिकता।

कौशल : आवश्यक सॉफ़्टवेयर या तकनीक में प्रवीणता। यदि लागू हो, तो परियोजना प्रबंधन कौशल।

आयु सीमा : किसी आयु सीमा का पालन करें (यदि कोई हो)।

राष्ट्रीयता/निवास : नागरिकता या निवास की आवश्यकताएँ (यदि लागू हो)।

भाषा : विशेष आवश्यकताएँ :

लचीलापन, यात्रा की क्षमता, सुरक्षा अनुमतियाँ (यदि आवश्यक हो)।

अनुसंधान अनुभव (वैज्ञानिक भूमिकाओं के लिए) : अनुसंधान प्रकाशनों में ट्रैक रिकॉर्ड (यदि आवश्यक हो)।

संदर्भ : पेशेवर संदर्भ प्रदान करना।

आवेदन शुल्क : नौकरी के पोस्टिंग में निर्दिष्ट शुल्क के अनुसार भुगतान करना (यदि लागू हो)।

उद्देश्य की घोषणा/कवर पत्र : यदि आवश्यक हो, तो योग्यता और रुचियों की व्याख्या के लिए शामिल करें।

साक्षात्कार/मूल्यांकन : आवश्यक होने पर साक्षात्कार या परीक्षण के लिए तैयार रहें। सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि नौकरी की विशिष्ट पोस्टिंग को सटीक योग्यता मानदंड और आवश्यकताओं की जांच करें, क्योंकि पदानुसार वे भिन्न हो सकते हैं। नवीनतम जानकारी के लिए, एनसीबीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर संदर्भित करें या उनके कार्यसमूह से संपर्क करें।

आधिकृत वेबसाइट पर जाएँ : नौकरी की सूचनाओं के लिए NCBS की आधिकृत वेबसाइट पर जाएँ।

नौकरी खोजें : उपलब्ध पदों की खोज करें, जो आपकी योग्यता से मेल खाते हैं।

नौकरी पोस्टिंग पढ़ें : आवश्यकताओं और जिम्मेदारियों की समीक्षा करें।

दस्तावेज तैयार करें : अपने रिज्यूम, प्रमाण पत्र, और कवर पत्र एकत्र करें।

खाता बनाएं : यदि आवश्यक हो, हृष्टक्वस्‍ ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर पंजीकरण करें।

आवेदन पूरा करें : ऑनलाइन फॉर्म भरें और दस्तावेज़ अपलोड करें।

आवेदन की समीक्षा करें : सटीकता और पूर्णता की जाँच करें।

आवेदन प्रस्तुत करें : अपने आवेदन को भेजने के लिए सबमिट पर क्लिक करें।

शुल्क भुगतान करें (यदि लागू हो) : आवश्यकता के अनुसार आवेदन शुल्क प्रक्रिया करें।

पुष्टि ईमेल का इंतजार करें : आपके इनबॉक्स में आवेदन प्राप्ति की पुष्टि के लिए देखभाल करें।

अपडेट का इंतजार करें : साक्षात्कार या मूल्यांकन के संदर्भ में NCBS से आगामी संवाद की उम्मीद करें।

फॉलो-अप करें (यदि आवश्यक हो) : समय-समय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, ।क्र से संपर्क करने का विचार करें। एनसीबीएस अफसर पदों के लिए आवेदन करते समय स्पष्ट नौकरी पोस्टिंग विवरण और निर्देशों के लिए हमेशा एनसीबीएस की आधिकारिक वेबसाइट का संदर्भ लें।

आवेदन की अंतिम तिथि और सूचनाएँ

इस संक्षेप गाइड में आपको सबमिशन समयसीमा और आपके आवेदन की स्थिति की सूचना प्राप्त कैसे करें के बारे में जानने की आवश्यकता है। चलिए विशेषज्ञता में जानते हैं :

आवेदन की आखिरी तारीख : नोट करें कि नौकरी पोस्टिंग के अनुसार समयसीमा बदलता है। सुनिश्चित करें कि आप समय पर अपना आवेदन प्रस्तुत करें। प्रस्तुतियाँ स्वीकार करने के लिए समय पर होनी चाहिए।

सूचनाएँ : आपको साक्षात्कार के निमंत्रण या मूल्यांकन प्राप्त हो सकते हैं। अपडेट्स के लिए नियमित रूप से अपने ईमेल की जाँच करें। यदि आपको निमंत्रण मिलता है, तो साक्षात्कार के लिए ठीक से तैयारी करें। संचालन आपके प्रदान किए गए संपर्क विवरण पर भेजा जाएगा। विशिष्ट विवरण के लिए नौकरी पोस्टिंग का संदर्भ दें। आवेदन की अंतिम तारीख और सूचनाओं के विवरण के लिए, अपनी रुचि की एनसीबीएस नौकरी पोस्टिंग का संदर्भ करें। यदि आपके पास कोई प्रश्न हो, तो स्पष्टीकरण के लिए NCBS के HR विभाग से संपर्क करें।

NCBS में कर्मचारी लाभ और फायदे

NCBS अपने कर्मचारियों की भलाइ और पेशेवर विकास का समर्थन करने के लिए कई प्रकार के लाभ और फायदे प्रदान करता है। यहां एक संक्षेपण सूची है कि आप क्या उम्मीद कर सकते हैं :

1. स्वास्थ्य और वेलनेस लाभ : समृद्ध स्वास्थ्य बीमा कवरेज। कर्मचारियों के लिए वेलनेस कार्यक्रम और पहल।
2. पेंशन और वित्तीय सुरक्षा : सहायक योगदान प्रोविडेंट फंड योजना। पात्र कर्मचारियों के लिए ग्रेचूइटी लाभ।
3. पेशेवर विकास : प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर। सम्मेलन और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए समर्थन।
4. अनुसंधान सुविधाओं का पहुँच : नवाचारी अनुसंधान सुविधाओं और संसाधनों का पहुँच। प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ सहयोग के अवसर।
5. काम-जीवन संतुलन : लचीले काम के घंटे और टेलीकम्यूटिंग विकल्प। संतुलन को प्रोत्साहित करने वाले कार्य वातावरण।
6. अवकाश और छुट्टियाँ : वेतनभोगी अवकाश, छुट्टियाँ, और बीमारी की छुट्टी। मातृता और पितृता अवकाश लाभ।
7. कैंपस सुविधाएँ : पुस्तकालय, जिम, और कैफेटेरिया जैसी कैंपस पर सुविधाएँ। एक जीवंत और प्रेरणास्पद काम का वातावरण।
8. अनुसंधान अनुदान और वित्त : अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के अवसर। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स के लिए समर्थन।
9. समुदाय में भागीदारी : समुदाय आउटरीच प्रोग्राम में भाग लेना। वैज्ञानिक समुदाय और समाज के लिए योगदान।
10. करियर विकास : NCBS के अंदर करियर की वृद्धि और बढ़त के लिए संभावना। विभिन्न और प्रभावी परियोजनाओं पर काम करने के अवसर।

निष्कर्षण

संक्षेप में, NCBS अफसर पद के लिए आवेदन करना सीधा है। NCBS एक गतिशील अनुसंधान वातावरण प्रदान करता है और कर्मचारियों की भलाइ को महत्व देता है, लाभ प्रदान करता है। चाहे आप अनुभवी हों या हाल के स्नातक, अपनी आकांक्षाओं को NCBS के साथ मेलापन करना बायोलॉजी के प्रगति में योगदान करने का मतलब है। आपके आवेदन के साथ जीवविज्ञान के प्रति आपका उत्साह NCBS पर जीवित रहता है।

ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम GIS में कैरियर



ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) भूगोल की एक प्रमुख शाखा है, जो रिमोट सेंसिंग, डिजिटल तकनीक व हाईटेक विधियो से सुसज्जित है, इसमें पुरानें आंकड़ों के साथ-साथ नए आंकड़ों को भी संशोधित किया जाता हैं, इस शाखा के बड़ते महत्व एवं उपयोगिता को देखते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयो में इससे सम्बंधित कोर्स कराये जाते है, यदि आप भी ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम में कैरियर बनाना चाहते हैं, तो आज हम इसके विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान कर रहे है।

जीआईएस (GIS) क्या है

यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जिसकी सहायता से क्षेत्र की टारगेट एरिया की मैपिंग की जाती है, इसके बाद प्राप्त डाटा के माध्यम से ऑफिस में बैठे-बैठे ही उस पूरे क्षेत्र की सही जानकारी प्राप्त हो जाती हैं । इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग अर्थ साइंस, एग्रिकल्चर, डिफेंस, न्यूक्लियर साइंस, आर्किटेक्चर, टाउन प्लानर, मैपिंग, मोबाइल आदि क्षेत्र में अधिक होता हैं, इसकी सहायता से किसी भी स्थान की स्थिति को अपनें कंप्यूटर पर देखा एवं बनाया जा सकता है ।

जिओग्रॅफिक इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र इसके क्षेत्र इस प्रकार हैं ।

1.फोटोग्रामैट्री ।
2.जीआईएस ऐप्लिकेशन ।
3.जीआईए डेवलॅपमेंट ।
4.जिओस्टेटिस्टीक ।
5.जीआईएस प्रोजेक्ट डेवलॅपमेंट ।
6.वेबजीआईएस ।

शैक्षणिक योग्यता

आप जीआईएस में पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट आदि कोर्स कर सकते हैं। साधारणतया जिओलॉजी, अप्लायड जिओलॉजी, अर्थ साइंस, जिओग्रफी, जिओसाइंस बीएससी, बीई, बीटेक आदि में स्नातक डिग्रीधारक कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं ।

शिक्षण संस्थान

अनेंक शिक्षण संस्थानों में जीआईएस से संबंधित पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा हैं । इस क्षेत्र की प्रमुख शिक्षण संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स ऐंड रिमोट सेंसिंग के अंतर्गत आनें वाले इंस्टीट्यूट से लांग और शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रम किया जा सकता हैं । पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन जीआईएस ऐंड आरएस ,जिसकी समय अवधि छह माह है , पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन जीआईएस प्रोग्रामिंग कोर्स जिसकी समय अवधि चार माह हैं ।

1.इंडियन इंस्टीट्यूट रिमोट सेंसिंग देहरादून।
2.इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ,उत्तर प्रदेश ।
3.बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ,रांची।
4.एमडीएस युनिवर्सिटी अजमेर ,राजस्थान।
5.इंडियन इंस्टीट्यूट ऑड़ टेक्नोलॉजी रुड़की ।
6.इंडियन इंस्टीट्यूट ऑड़ टेक्नोलॉजी ,कानपूर।
7.जीआईएस इंस्टीट्यूट ,नोएडा ।
8.ईएसआरआई इंडिया ,दिल्ली ।

जॉब की संभावनाए

1.इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ।
2.नेंशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए)।
3.नेंशनल इन्फॉर्मेटिक सेंटर (एनआईसी) ।
4.स्पेस ऐप्लिकेशन सेंटर ।
5.अर्बन डेवलॅपमेंट ऑथोरिटी ।
6.नेंचुरल रिसोर्स मैनेंजमेंट ।
7.इमर्जेंसी मैनेंजमेंट ।
8.मिलिट्री कमांड ।
9.ट्रांसपोर्टेशन मैनेंजमेंट ।
10.सोशियो-इकोनॉमिक डेवलॅपमेंट ।
11.अर्बन डेवलॅपमेंट ।
12.बिजनेंस ऐप्लिकेशन ।

विदेश में जॉब की संभावनाएं

जीआईएस का उपयोग भविष्य में लगभग प्रत्येक क्षेत्र में होनें की संभावना है जैसे- डिजास्टर मैनेंजमेंट, डेवलॅमेंट ऑथोरिटी आदि । वर्तमान में भारत का डिजिटल मैप उपलब्ध नहीं है ,जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर की बेहतरीन संभावनाएं देखी जा रही हैं और विकसित देशों में इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग पहले से किया जा रहा हैं ,इसलिए वहां डाटा एनालिसिस हेतु इस क्षेत्र से सम्बन्धित स्किल्ड लोगों की आवश्यकता अधिक है ।

वेतन

इस क्षेत्र में फ्रेशर को वार्षिक वेतन लगभग एक लाख से एक लाख बीस हजार रुपये के मध्य प्राप्त होता है, अनुभव अधिक होनें पर वेतन भी अधिक हो सकता हैं । आठ से दस वर्ष के कार्य-अनुभव के पश्चात आप सीईओ के पद तक आसानी से पहुंच सकते हैं । यहाँ पर हमनें आपको ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम में कैरियर के विषय में बताया हैं, यदि इस जानकारी से सम्बन्धित आपके मन में किसी प्रकार का प्रश्न आ रहा है, अथवा इससे सम्बंधित अन्य कोई जानकारी प्राप्त करना चाहते है, तो कमेंट बाक्स के माध्यम से पूँछ सकते है, हम आपके द्वारा की गयी प्रतिक्रिया और सुझावों का इंतजार कर रहें है ।

प्रोग्रामर कैसे बने



कंप्यूटर प्रोग्रामर शब्द का प्रयोग एक ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है, जो कंप्यूटर के क्षेत्र मैं सॉफ्टवेयर निर्माण संबंधित कार्य करते हैं, एक या एक से अधिक प्रोग्रामिंग भाषाओ को मिला कर प्रोग्राम बनाया जाता है, जो कंप्यूटर,मोबाइल या किसी भी हार्डवेयर को संचालित करता है, इन्हें बनानें के लिए कुछ स्टैण्डर्ड प्रोग्रामिंग भाषाओ का प्रयोग किया जाता है, यदि आप एक प्रोग्रामर बनना चाहते है, तो इसके बारे में आपको इस पेज पर विस्तार से बता रहे है।

प्रोग्रामर कैसे बने

एक कंप्यूटर प्रोग्रामर सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों और ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए कोड बनाता है, एक सॉफ़्टवेयर डेवलपर एक कंप्यूटर प्रोग्राम को डिजाइन करनें के बाद, प्रोग्रामर द्वारा लिखा जाता है, जो उस डिज़ाइन को एक ऐसे निर्देशों में परिवर्तित करता है,जिसका अनुसरण कंप्यूटर कर सकता है।

शैक्षिक योग्यता

प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा के लिए 50 प्रतिशत अंक एवं 12वीं पास होना अनिवार्य है, जबकि बैचलर डिग्री कोर्स, बीई/बीटेक के लिए साइंस में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, और गणित में 50 प्रतिशत अंक के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है ।

आयु

कंप्यूटर प्रोग्रामर बनने के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष है।

पाठ्यक्रम अवधि

प्रोग्रामर बननें के लिए लगभग चार वर्ष का समय लगता है, यदि आप कंप्यूटर साइंस से बीएससी करनें के पश्चात लगभग तीन वर्ष का समय लगता है, प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा की अवधि 3 वर्ष है,जबकि एमई/एमटेक कोर्स 2 वर्ष का है ।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग पाठ्यक्रम

- वेब विकास
- डेटाबेस डिजाइन
- कोडिंग
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर
- डिबगिंग
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग पाठ्यक्रम से सम्बंधित जानकारी

छात्रों को वर्ग, विरासत, नियंत्रण संरचनाओं, सरल डेटा संरचनाओं और वस्तुओं सहित सॉफ्टवेयर विकास में ऑब्जेक्ट उन्मुख प्रोग्रामिंग और बुनियादी अवधारणाओं के साथ पेश किया जाता है। एक प्रयोगशाला अनुभाग आम प्रोग्रामिंग समस्याओं को हल करने के अनुभव पर हाथ प्रदान करता है। कंप्यूटर विज्ञान प्रमुखो को इस कोर्स को लेने की आवश्यकता है।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग इंट्रोडक्टरी कोर्स

प्रोग्रामिंग भाषा सीखनें के पश्चात आप सॉफ्टवेयर प्रोग्राम बनाना आरंभ कर सकते हैं, इस पाठ्यक्रम के छात्र बड़े कोड और पैटर्न, एकीकृत डिजाइन, डिबगर्स, सिस्टम बिल्ड टूल्स और कोड री-फैक्टरिंग का उपयोग करके सॉफ्टवेयर डिज़ाइन करना सीखते हैं, इसके अंतर्गत अन्य विषयों में जीयूआई, बहु-थ्रेडिंग, क्लाइंट-सर्वर नेटवर्किंग और ईवेंट-संचालित प्रोग्रामिंग भी होती है

ऑपरेटिंग सिस्टम कोर्स

कंप्यूटर साइंस के छात्रों को ऑपरेटिंग सिस्टम, जैसे कि विंडोज, लिनक्स और मैक ओएस एक्स के मूलभूत सिद्धांतों के बारे में बताया जाता है, इसके अंतर्गत विषयों में ऑपरेटिंग सिस्टम, सिंक्रनाइज़ेशन, कॉन्सुरेंसी, शेड्यूलिंग, वर्चुअल मेमोरी, पेजिंग, डिवाइसेस, सुरक्षा और फाइलों का विकास शामिल है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कोर्स

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक ऐसा मार्ग है,जिसके माध्यम से हम सोचनें वाले कंप्यूटर, कंप्यूटर कंट्रोल रोबोट, जो हमारी तरह सोच सकते हो, इन्हें हम निर्मित कर सकते है । एआई कमप्यूटर साइंस की एक भाषा है, जो कंप्यूटर सिस्टम के क्रिएशन तथा प?ाई से संबंधित है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा एक्सपर्ट सिस्टम तैयार करना जिसमें मनुष्य के सामान सोचनें की शक्ति हो ।

प्रोग्रामर बननें हेतु कालेज

- आईआईएससी, बैंगलोर
- आईआईटी, बॉम्बे
- आईआईटी, खडगपुर
- आईआईआईटी, हैदराबाद
- आईआईटी,मद्रास

कंप्यूटर प्रोग्रामर सैलरी

कंप्यूटर प्रोग्रामर को वेतन के रूप में 30000 से 90000 रुपये प्रतिमाह प्राप्त होते है, तथा यह वेतन उनके कार्य अनुभव के आधार पर वृद्धि होती रहती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

शेन्ज़ेन शहर में ट्रंप-जिनपिंग-पुतिन के एक मंच पर आने से पहले चीन ने दिखाए तेवर

इन तीनों महाशक्तियों ने फासीवाद के खिलाफ जंग जीतकर दुनिया को बचाया था



बीजिंग। चीन के शेन्ज़ेन शहर में गुरुवार को एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहली बार एक मंच पर होंगे। इस महाबैठक ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है, क्योंकि यह तीनों महाशक्तियों के राष्ट्र प्रमुखों के बीच पहली सीधी चर्चा होगी। इस अहम मुलाकात से ठीक पहले चीन ने स्पष्ट और कड़े तेवर दिखाए हैं, यह संकेत देते हुए कि वह वैश्विक राजनीति में खुद को एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस मेगा समिट को दुनिया के इन तीन सबसे बड़े देशों के भविष्य और वैश्विक चुनौतियों से निपटने का सुनहरा अवसर बताया है। यह बैठक एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग समिट के दौरान शेन्ज़ेन में आयोजित की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर उत्सुकता है कि इस मंच से क्या बड़े ऐलान हो सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दो-टूक शब्दों में कहा है कि चूंकि अमेरिका, रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र और इसकी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं, इसलिए दुनिया में शांति बनाए रखने का सबसे बड़ा जिम्मा इन्हीं तीनों देशों का है। चीन ने इतिहास के पन्नों को पलटते हुए याद दिलाया है कि अतीत में इन तीनों महाशक्तियों ने मिलकर फासीवाद के खिलाफ जंग जीती थी और पूरी दुनिया को एक भयंकर संकट से बचाया था। आज दुनिया भर में जैसे हालात हैं, उन्हें देखते हुए अमेरिका, रूस और चीन का फर्ज बनता है कि वे अपने आपसी मतभेद भुलाकर वैश्विक चुनौतियों का सामना करें और अमन-चैन कायम रखें। इस मेगा समिट के दौरान तीनों नेता वैश्विक शांति और महाशक्तियों के बीच रणनीतिक स्थिरता को लेकर बहुत गहराई से चर्चा करने वाले हैं, जिसे चीन ने 'ऐतिहासिक महत्व का' बताया है। बीजिंग के इस तीखे और स्पष्ट संदेश से ये साफ इशारा मिल रहा है कि चीन अब खुद को ग्लोबल पॉलिटिक्स के मुख्य केंद्र में स्थापित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। चीन, अमेरिका और रूस के शीर्ष नेताओं का एक साथ आना बहुत बड़े बदलाव का संकेत है। निंग का कहना है कि इन तीनों देशों के बीच संवाद को मजबूत करना, आपसी मतभेदों को किनारे रखना और रिश्तों में स्थिरता बनाए रखना न सिर्फ उनके अपने हितों के लिए जरूरी है, बल्कि पूरी दुनिया की भी यही मांग है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बैठक से वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार युद्ध के मोर्चे पर भी कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।



फ्रांस में सरकार विरोधी प्रदर्शन में भाग लेते हुए छात्र।। पेरिस में पिछले कुछ दिनों से बेतन बढ़ाने की मांग को लेकर लेबर यूनियन का प्रदर्शन और हड़ताल का सिलसिला जारी है। जिसमें अब छात्र भी जुड़ गये हैं।

शांति वार्ता के बीच अमेरिका ने किया हमला तो ईरान ने भी दिया जवाब

ईरान ने बहरीन में मौजूद अमेरिकी रडार सिस्टम पर दागे ड्रोन, बढ़ा तनाव

तेहरान। फारस की खाड़ी में एक बार फिर 'जंग जैसे' हालात बन गए हैं। अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ने ईरान के बेहद अहम माने जाने वाले केशम आइलैंड को निशाना बनाया है, तो वहीं ईरान ने भी पलटवार करते हुए बहरीन में मौजूद अमेरिकी रडार सिस्टम पर ड्रोन से हमला किया। इस पूरी खींचतान के बीच शांति की वकालत कर रहा कतर बेबस नजर आ रहा है, क्योंकि उसकी मध्यस्थता की तमाम कोशिशों के बीच जमीन पर गोले और मिसाइलें बरस रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक मंगलवार को अमेरिका ने ईरान के केशम आइलैंड के कई ठिकानों पर हमले किए। केशम शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में रहने वाले लोगों ने एक के बाद एक कई तेज धमाकों की आवाजें सुनीं, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, शुरुआती बयान में ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि इन अमेरिकी हमलों से किसी भी रिहायशी, कमर्शियल या अन्य बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन अमेरिकी हमलों के बाद ईरान भी चुप नहीं बैठा। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन के एयर बेस पर मौजूद एक अमेरिकी रडार सिस्टम को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया है। आईआरजीसी ने इस कार्रवाई को 'बदला' करार देते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य ड्रोन लगातार ईरान के एयरस्पेस का उल्लंघन कर रहे थे और ये हमला उसी का जवाब है। बहरीन की राजधानी मनामा में भी जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। ये धमाके तब हुए जब बहरीन के गृह मंत्रालय ने स्थानीय लोगों को एक अनजान खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। हालांकि, अमेरिका ने ईरान के इन दावों को नकार दिया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने साफ कहा है कि बहरीन में उनके किसी भी रडार सिस्टम को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक बहरीन की तरफ दागे गए कई ईरानी ड्रोन्स को हवा में ही मार गिराया गया और इस घटना में न तो अमेरिका के किसी उपकरण को नुकसान हुआ है और न ही कोई अमेरिकी सैनिक घायल हुआ है।

चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत की राजनीति को करें खारिजः ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई है। अपने कार्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह में ममदानी ने कहा कि पिछले एक साल में हिंदू-सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाने की कोशिशें हुई हैं। उन्होंने लोगों से ऐसी राजनीति और विचारों का विरोध करने की अपील की, जो समाज में डर और नफरत पैदा करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममदानी ने कहा कि चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, लोगों को ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो समाज और लोगों की जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने कहा कि समाज में भय और घृणा को बढ़ावा देने वाली बातों के खिलाफ आवाज उठाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। ममदानी ने कहा कि वह बचपन से अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में पूरे शहर के लोगों के साथ इस त्योहार को मनाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने दिवाली को प्रकाश और सकारात्मकता का संदेश देने वाला पर्व बताया। उन्होंने कहा कि रामायण हमें यह सीख देती है कि एक अच्छा भाई, पति, पत्नी और दोस्त कैसा होना चाहिए। वहीं, महाभारत परिवारों की वास्तविक तस्वीर और रिश्तों की जटिलताओं को सामने रखती है।

याल्टा सम्मेलन में एक साथ बैठेंगे ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग

बीजिंग। चीन के शेनजेन शहर में 19 नवंबर को होने वाली एपेक शिखर सम्मेलन में वैश्विक राजनीति का एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिलेगा। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति, रूस के राष्ट्रपति और चीन के राष्ट्रपति एक मंच पर एक साथ नजर आएंगे, जिसे 1945 के ऐतिहासिक याल्टा सम्मेलन से जोड़कर देखा जा रहा है। यह महामुलाकात मौजूदा वैश्विक तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-ईरान संबंधों जैसे ज्वलंत मुद्दों के बीच बेहद अहम मानी जा रही है। 1945 में जब द्वितीय विश्व युद्ध अपने अंतिम चरण में था, तब फरवरी में क्रीमिया के याल्टा में सोवियत संघ के नेता, अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री एकजुट हुए थे।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पहुंचे राहुल, छात्रों में सेल्फी और ऑटोग्राफ लेने की लगी होड़

न्यूयॉर्क। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में उनके प्रति छात्रों में खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम खत्म होने के बाद छात्र-छात्राओं में राहुल गांधी के साथ सेल्फी लेने और उनका ऑटोग्राफ हासिल करने की होड़ लग रही। संस्थान में उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी और फैकल्टी सदस्य जुटे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान राहुल गांधी सफेद कुर्ता-पायजामा और काली नेहरू जैकेट पहने नजर आए। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार लिडिया पोलग्रीन के साथ विशेष बातचीत में हिस्सा लिया। इसके बाद छात्रों और शिक्षाविदों के साथ खुला प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम खत्म होने के बाद कई छात्राएं राहुल गांधी के आसपास जुट गईं और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। युवा मोबाइल फोन से सेल्फी लेते नजर आए। राहुल गांधी ने भी मुस्कुराते हुए उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और कई विद्यार्थियों को ऑटोग्राफ दिए। इस दौरान एक छात्रा के हाथ में उनकी मां सोनिया गांधी की किताब बिलोंगिंग भी दिखाई दी। बता दें इससे पहले बातचीत में राहुल गांधी ने भारत की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि देश का पुराना आर्थिक मॉडल करीब एक दशक पहले ही काम करना बंद कर चुका है। भारत के सामने बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौतियां हैं। उन्होंने मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी सरकारी पहलों की आलोचना करते हुए कहा कि ये अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत करने में अपेक्षित रूप से सफल नहीं रही हैं। राहुल गांधी के मुताबिक छोटे और मझोले उद्योग तथा कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन की असली ताकत हैं, लेकिन ये क्षेत्र कमजोर हुए हैं।

पुतिन-जिनपिंग की 50वीं मुलाकातः जिनपिंग ने दोस्ती को बताया पुराना

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को चीन के शेनझेन में करीब दो घंटे तक बातचीत की। बीते 13 साल में दोनों नेताओं की यह 50वीं मुलाकात थी। इस दौरान जिनपिंग ने पुतिन को अपना पुराना दोस्त बताकर कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में रूस और चीन के रिश्ते दुनिया को स्थिरता और भरोसा दे रहे हैं। वहीं, पुतिन ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र की तरक्की और समृद्धि को दोनों देशों का साझा लक्ष्य बताया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी एपीईसी समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच रहे है। उनकी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक प्रस्तावित है, जिसमें व्यापार और टैरिफ जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। एपीईसी समिट के दौरान ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय बैठक को लेकर भी चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर यह बैठक होती है, तब दुनिया की तीन बड़ी परमाणु ताकतों के नेता एक साथ बैठक करने वाले है। एपीईसी समिट में ताइवान की भागीदारी भी अहम है, ताइवान ने अपना प्रतिनिधि चीन भेजा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश बताता है और चाइनीज ताइपे के नाम से 1991 से एपीईसी का सदस्य है।

एप्पल की सेवाओं में तकनीकी बाधा आई, हजारों यूजर्स को करना पड़ा परेशानी का सामना



समस्या ने दिया बहस को जन्म, क्या यह महज एक संयोग है या कोई बड़ा साइबर हमला?

वाशिंगटन। अमेरिका के तकनीकी जगत में एक बार फिर हड़कंप मच गया है, जब देश की प्रमुख टेक कंपनी एप्पल की सेवाओं में अचानक तकनीकी बाधा आ गई। 17 नवंबर की देर रात हजारों एप्पल यूजर्स को आईक्लाउड, ऐप स्टोर और एप्पल वॉलेट जैसी कंपनी की डिजिटल सेवाओं को एक्सेस करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स को लॉग-इन करने और कनेक्शन में दिक्कत हुई, जिससे व्यापक स्तर पर अफरा-तफरी मच गई। लगातार शिकायतें मिलने के बाद, खुद एप्पल ने भी सेवा बाधित होने की पुष्टि की। एक आंतरिक अपडेट को सेवाओं में आई तकनीकी गड़बड़ी का मुख्य कारण बताया। कंपनी के बयान के मुताबिक कुछ सिस्टम इस अपडेट से प्रभावित हुए थे, लेकिन कई सेवाएं दोबारा काम करने लगी हैं और बाकी समस्याओं को दूर करने के लिए काम जारी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के सिस्टम में भी इसी तरह की तकनीकी समस्याएं देखी गई थीं, जिसने अमेरिकी तकनीकी बुनियादी ढांचे की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डाउनडिटेक्टर जैसी वेबसाइटों पर एप्पल की सेवाओं को लेकर शिकायतों में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे पता चला कि समस्या का असर बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं पर पड़ा था। अमेरिका के अलावा, ब्राजील, ग्रीस और लातविया जैसे देशों से भी एप्पल उपयोगकर्ताओं ने समस्याओं की जानकारी दी। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एप्पल आउटेज के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) के आंतरिक संचार नेटवर्क, एनएसए नेट, में भी बाधा आने की खबर सामने आई। रिपोर्टों के मुताबिक सुरक्षा एजेंसी के गोपनीय संचार के लिए इस्तेमाल होने वाले एनएसए नेट में भी थोड़ी देर के लिए दिक्कत आई, जिससे कर्मचारियों को आंतरिक संचार में परेशानी हुई। हालांकि, अभी तक ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है जिससे एप्पल या एनएसए नेटवर्क की समस्या को किसी साइबर हमले से जोड़ा जा सके, लेकिन इन लगातार तकनीकी गड़बड़ियों ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या यह महज एक संयोग है या कोई बड़ा साइबर हमला, जिसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। जानकारों के मुताबिक सरकार और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए यह समझना अहम है कि इन समस्याओं की जड़ क्या है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। जब तक इन गड़बड़ियों के पीछे के वास्तविक कारण पूरी तरह से उजागर नहीं हो जाते, डिजिटल स्ट्राइक या टेक्निकल ग्लिच की बहस जारी रहेगी और वैश्विक समुदाय की निगाहें इस पर टिकी रहेंगी कि अमेरिका इन चुनौतियों का सामना कैसे करता है।

ईरान की अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को धमकी.....ढूंढ लेंगे तुम्हें

तेहरान। ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दो वरिष्ठ अधिकारियों को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए धमकी दी है। दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने अमेरिकी नौसेना के अधिकारियों की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- 'वी विल फाइंड यू' यानी 'हम तुम्हें ढूंढ लेंगे'। यह धमकी अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस स्प्रूवंस के करीब 357 दिनों की तैनाती के बाद कैलिफोर्निया के सैन डिएगो स्थित नौसैनिक अड्डे पर लौटने के बाद सामने आई है। ईरानी दूतावास ने जिन अधिकारियों को निशाने पर रखने की बात कही है, उनमें यूएसएस स्प्रूवंस के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर लेह आर. टेट और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर जेफरी ई. यॉर्क शामिल हैं। दूतावास ने दोनों की तस्वीरों वाली अपनी पुरानी पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए उसके साथ केवल 'वी विल फाइंड यू' लिखा। दूतावास ने इससे पहले 28 मार्च 2026 को भी दोनों अधिकारियों की तस्वीरें साझा की थीं। उस समय उसने आरोप लगाया था कि दोनों अधिकारियों ने ईरान के मिनाब शहर में एक प्राथमिक स्कूल पर तीन बार टॉमहॉक मिसाइल दागने का आदेश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

सीआईए मुख्यालय में धुएं से मचा हड़कंप

वॉशिंगटन। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के मुख्यालय में 17 नवंबर को धुएं की खबर से हड़कंप मच गया। वर्जीनिया के लैंगली इलाके में स्थित इस अति-संवेदनशील परिसर, जो वॉशिंगटन डीसी के पास मैकलीन क्षेत्र में पड़ता है, से काला धुआं उठता देख तत्काल आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही स्थानीय दमकल टीमें तेजी से मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लेने में जुट गईं। शुरुआत में आग लगने की आशंका से अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, लेकिन जांच के बाद सच्चाई कुछ और ही सामने आई। विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई जांच के दौरान यह पता चला कि इमारत में दिख रहा धुआं दरअसल हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम में आई तकनीकी खराबी के कारण निकला था। यह कोई वास्तविक आग नहीं थी, बल्कि सिस्टम के ओवरहीट होने या किसी अन्य खराबी के कारण धुआं उत्पन्न हुआ था। इस खुलासे के बाद सभी ने राहत की सांस ली। सीआईए जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान में ऐसी घटना की खबर अपने आप में बड़ी चिंता का विषय होती है, जहां सुरक्षा और गोपनीयता सर्वोपरि है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई जब अमेरिका पहले ही एक डिजिटल आउटेज जैसी समस्या का सामना कर रहा था, जिससे लोगों में सामान्य से अधिक घबराहट थी। हालांकि, दमकल कर्मियों और सीआईए के आंतरिक सुरक्षा दलों की त्वरित कार्रवाई से स्थिति को जल्द ही नियंत्रण में ले लिया गया। किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, और मुख्यालय का सामान्य कामकाज अप्रभावित रहा। इस घटना ने एक बार फिर ऐसे संवेदनशील स्थलों पर त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र की महत्ता को उजागर किया है, जहां छोटी सी भी चूक बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को जन्म दे सकती है। स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया और स्थिति को बिना किसी बड़ी क्षति के संभाला गया।

बिलावल भुट्टो का सरकार-सेना पर तीखा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने 17 नवंबर को प्रधानमंत्री की सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला बोला। कराची प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए, बिलावल भुट्टो ने साफ चेतावनी दी कि सिंध प्रांत को जबरदस्ती नए प्रांतों में बांटने की कोई भी कोशिश कराची और हैदराबाद की सड़कों पर बड़े पैमाने पर खून-खराबे को बढ़ावा दे सकती है। भुट्टो ने आरोप लगाया कि देश की राजनीतिक व्यवस्था खुद से नहीं गिरी, बल्कि उसे चलाने वाले लोगों ने जानबूझकर तोड़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के अपने मंत्रिमंडल पर अधिकार को लेकर भी सवाल उठाए और गृह मंत्री को सीधा निशाने पर लिया, जिन्हें सैन्य प्रतिष्ठान के करीबी एक वरिष्ठ अधिकारी का विश्वसनीय माना जाता है। बिलावल भुट्टो ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की भी वकालत की, जो फिलहाल जेल में हैं। उन्होंने दुख जताया कि पाकिस्तान में हर प्रधानमंत्री जेल जाता है और फिर वापस सत्ता में आता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बिना नहीं चल सकता और इस पार्टी को देश की हकीकत मानना चाहिए। बिलावल भुट्टो ने स्पष्ट किया कि नए प्रांत बनाने और जनमत संग्रह कराने की बात न तो संसद में हुई है और न ही कैबिनेट में, बल्कि कुछ प्रभावशाली लोग संवैधानिक बदलाव को पीछे के दरवाजे से थोपना चाहते हैं। आपको बता दें कि बिलावल भुट्टो की पार्टी हालांकि प्रधानमंत्री को बाहरी समर्थन देती है, लेकिन वह हमेशा से सिंध की सीमा बदलने के खिलाफ सख्त रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर यही मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजनीतिक सहमति के बिना नया प्रशासनिक बंटवारा किया गया तो भाई, भाई के खिलाफ खड़ा हो जाएगा और पूरे समाज में अशांति फैल जाएगी। उन्होंने देश में राजनीतिक बदले की राजनीति को तुरंत बंद करने, किसी भी राजनीतिक कैदी को जेल में न रखने और चुनावी सुधारों की मांग की। उन्होंने नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) पर राजनीतिक मामलों के लिए निशाना साधा और संसद में विपक्ष का विश्वास बहाल करने पर जोर दिया।

जेफरी एपस्टीन की मौत : विशेषज्ञ ने किया हत्या का सनसनीखेज दावा

वॉशिंगटन। अमेरिका के कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की 2019 में जेल में हुई मौत को लेकर एक बड़ा और सनसनीखेज दावा सामने आया है। एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ ने यह दावा किया है कि एपस्टीन ने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि पीछे से गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी और बाद में शव को जेल की कोठरी में लटका दिया गया। यह दावा विशेषज्ञ ने पहले सार्वजनिक नहीं की गई पोस्टमार्टम तस्वीरों की स्वतंत्र समीक्षा के बाद किया है। इस सप्ताह लंदन में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए। जेफरी के भाई द्वारा उपलब्ध कराई गई पोस्टमार्टम फाइलों के आधार पर, विशेषज्ञ ने निष्कर्ष निकाला कि तस्वीरों में दर्ज शारीरिक चोटें खुद से फांसी लगाने की घटना से मेल नहीं खातीं। उनके विश्लेषण के अनुसार, एपस्टीन की गर्दन पर गहरा और कटा-फटा वाई आकार का निशान था, जो आमतौर पर आत्महत्या के लिए फांसी लगाने पर दिखने वाले निशान से बिल्कुल भिन्न है। विशेषज्ञ ने गर्दन पर अन्य निशानों, बाएं कंधे की मांसपेशियों में गहरे रक्तस्राव, पीठ पर चोट के निशानों और चेहरे पर मामूली चोटों की ओर भी इशारा किया, जो किसी हाथापाई का संकेत हो सकते हैं। एक थ्री-डी मॉडल बनाकर उनकी टीम ने यह सवाल भी उठाया कि क्या जेल के बिस्तर की बनावट से वैसी चोटें आ सकती हैं, जिनका जिक्र आधिकारिक रिपोर्टों में किया गया है। हालांकि, न्यूयॉर्क सिटी के ऑफिस ऑफ चीफ मेडिकल एग्जामिनर ने इन नए दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि वे अगस्त 2019 के अपने उस फैसले पर कायम हैं, जिसके अनुसार एपस्टीन ने आत्महत्या की थी। मूल जांच करने वाले पैथोलॉजिस्ट ने उस समय संघीय जांचकर्ताओं को बताया था कि उन्हें आत्महत्या होने में कोई संदेह नहीं था और शरीर पर बचाव के दौरान लगने वाली कोई चोट नहीं दिखी थी।

बांग्लादेश में फिर हिंसा, गोपालगंज बना राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा

ढाका। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसक झड़पें तेज हो गई हैं, जिसका केंद्र पूर्व प्रधानमंत्री के गृहनगर गोपालगंज बन गया है। पिछले एक हफ्ते से यहां विरोध प्रदर्शनों ने विकराल रूप ले लिया है। मजदूरों के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब एक गंभीर राजनीतिक टकराव में बदल चुका है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी के समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं। ताजा हिंसा गोपालगंज के तुंगीपाड़ा इलाके में तब भड़की, जब पुलिस ने अवामी लीग और उसके छात्र संगठन से जुड़े कई संदिग्ध कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में अवामी लीग समर्थक इकट्ठा हो गए और तुंगीपाड़ा पुलिस स्टेशन को घेर लिया। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, भीड़ ने पुलिस स्टेशन में तोड़फोड़ की, वहां खड़े वाहनों में आग लगा दी और हिरासत में लिए गए कुछ कार्यकर्ताओं को छुड़ाने में भी कामयाब रहे। इसके कुछ समय बाद, गोपालगंज-3 से सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया, जिससे राजनीतिक टकराव और गहरा गया। इस हिंसा का असर पड़ोसी जिले फरीदपुर तक भी पहुंचा, जहाँ पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी के एक किसान नेता की एक देसी बम फटने से मौत हो गई, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी के कार्यालयों और वाहनों को भी निशाना बनाया। यह कोई एक दिन की घटना नहीं है; इससे पहले भी तुंगीपाड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के कार्यालयों, नेताओं के घरों तथा कारोबारों पर हमले व आगजनी की घटनाएं सामने आई थीं। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिले के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों में बदलाव किए हैं, लेकिन अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध के बावजूद उसके समर्थकों का सड़कों पर उतरना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 19 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग: अर्शदीप और बैंटन ने लगाई लंबी छलांग



दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन ने लंबी छलांग लगायी है। वहीं कुछ दिग्गज खिलाड़ी अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखने में सफल रहे हैं।आईसीसी की एकदिवसीय और टेस्ट रैंकिंग में कई खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर जबरदस्त सुधार किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले अर्शदीप सिंह 12 स्थान ऊपर गेंदबाजी की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं और इस सप्ताह सबसे अधिक सुधार करने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। एकदिवसीय प्रारुप में ही अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर आकर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद शीर्ष 10 में वापसी की है। वह चार स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के टॉम बैंटन को बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 99 गेंदों पर 121 रन की शतकीय पारी खेली थी, जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की। बैंटन की इस पारी से उन्हें बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान का लाभ मिला है जिससे वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंचा दिया है। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद दो स्थान ऊपर आकर नौवें नंबर पर आ गए हैं और शीर्ष 10 में वापस आ चुके हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई रोमांचक टेस्ट सीरीज, जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता, ने भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार किया है। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर पहुंच गए हैं।बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं।

सात्विकसाईराज और चिराग हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे

कॉव्लून। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। सात्विकसाईराज और चिराग ने यहां खेले गये पहले पहले दौर के मुकाबले में चीनी ताइपे के ली जे-हुई और यांग पो-हसुआन को कड़े मुकाबले में 15-21, 21-17, 28-26 से हराया। ये मुकाबला एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इसमें सात्विक और चिराग ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग का लगातार अजेय रहने का रिकॉर्ड 8-0 हो गया है। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी की शुरुआत खराब रही और ये दोनो 3-7 से पीछे हो गए। हालांकि, दोनों ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया और दोनों जोड़ियां लगातार एक-दूसरे को टक्कर देती रहीं। भारतीय जोड़ी ने अंत में 20-18 की बढ़त बनाकर मैच जीतने का प्रयास किया पर चीनी ताइपे की जोड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर 21-20 पर मैच पहुंचा दिया। इसके बाद सात्विक और चिराग ने 22-21 पर अपना मैच अंक बनाया, लेकिन विरोधी खिलाड़ियों ने मुकाबला फिर बराबर कर दिया। दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला 26-26 तक पहुंच गया। भारतीय खिलाड़ियों ने इस दौरान चार मैच अंक बचाए और आखिरकार 28-26 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं भारत के ही ध्रुव कपिला और राधिका शर्मा की जोड़ी भी मुख्य ड्रॉ में पहुंच चुकी है। अब दोनों भारतीय जोड़ियों की नजरें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने और खिताब की दौड़ में बने रहने पर होंगी।

भारतीय टीम ने पाक को हराकर 10 वीं बार सैफ खिताब जीता

ढाका। भारतीय फुटबॉल टीम ने ढ़ाका में हुए दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) खिताब को रिकॉर्ड 10वीं बार जीता है। भारतीय टीम ने एक संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराया। भारतीय टीम के लिए ये जीत इसलिए भी अहम थी क्योंकि उसने से जीत प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी टीम से हासिल की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार ये खिताब जीता है। इस मुकाबले की शुरुआत में ही पाक टीम ने एक गोल की बढ़त बना ली। पहले हाफ में पाक टीम हावी रही। आलमगीर गाजी ने 46 वें मिनट में इंजरी टाइम में एक गोल कर पाक टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी पाकिस्तान को 59वें मिनट में रेड कार्ड की वजह से एक खिलाड़ी के बाहर होने के कारण 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जिसका फायदा भारतीय टीम ने उठाया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम लय में आ गयी और उसने पाक पर पलटवार शुरु कर दिये। भारतीय टीम ने एक के बाद एक हमले कर दबाव बनाये रखा हालांकि टीम गोल नहीं लाग पायी। भारतीय टीम की ओर से 60वें मिनट में सुहेल अहमद ने शानदार गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद संदीप नंदी ने 88वें मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी जो अंत तक बरकरार रही। पाक टीम ने बराबरी के लिए कई प्रयास किये और खिलाड़ियों में बदलाव करते हुए 64वें मिनट में आलमगीर गाजी और अब्दुल्ला इकबाल को मैदान से बाहर बुलाया गया और दूसरे खिलाड़ियों को भेजा गया पर इसके बाद भी भारतीय रक्षापंक्ति को भेद नहीं पाये।

पहले टेस्ट के लिए लैथम ने बतायी न्यूजीलैंड की रणनीति

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान टॉम लैथम ने भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए वेलिंगटन में टीम की रणनीति का खुलासा किया है। लैथम ने बताया कि टीम तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के पास पूरी सीरीज में अपने तेज गेंदबाजों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। साथ ही कहा कि टीम फिलहाल बहुत आगे की सोचने की बजाय शुरुआती टेस्ट पर अपना पूरा ध्यान दे रही है । लैथम ने कहा, हम तीन तेज गेंदबाज और एक गेंदबाजी ऑलराउंडर उतारेंगे। हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास कई तेज गेंदबाज हैं जो लगभग पूरी तरह से फिट हैं। यह पहले से योजना बनाना मुश्किल है कि कौन से खिलाड़ी किस मैच में खेलेंगे, हम देखेंगे कि मैचों के दौरान क्या होता है और कार्यभार के मामले में थोड़ा लचीला रहें। हम अगले छह या सात हफ्तों में यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि यह कैसा दिखता है, लेकिन जाहिर है कि हमारा मुख्य ध्यान फिलहाल भारत के खिलाफ पहले टेस्ट पर है। लैथम ने यह भी साफ किया कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका पर उनका ध्यान नहीं रहेगा। साथ ही कहा कि उनका ध्यान उसी पर रहेगा जिस पर उनका नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि हम अपनी शैली का क्रिकेट खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। वहीं भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर कीवी कप्तान ने कहा कि , जसप्रीत बुमराह को वह एक बड़ी चुनौती मानते हैं। लैथम ने कहा कि बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और उनका एक्शन अद्वितीय है, जिसका सामना बल्लेबाज आमतौर पर नहीं करते। उनकी मूवमेंट निकालने की क्षमता और विभिन्न हालातों में बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता को देखते हुए, वेलिंगटन की पिच पर वह विशेष रूप से खतरनाक हो सकते हैं। लैथम ने कहा, बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं। कई लोगों ने उनका सामना किया है, चाहे वह लंबे प्रारूप का क्रिकेट हो या छोटे प्रारूप का। उनका एक्शन अनोखा है, जिसका सामना आप ज्यादातर समय नहीं करते। हम जानते हैं कि यहां की पिच पर वह एक बड़ी चुनौती होंगे। उन्होंने यह भी माना है भारतीय टीम ने बुमराह और अन्य सभी संभावित खिलाड़ियों के लिए पूरी तैयारी की है। लैथम ने विश्वास व्यक्त किया कि टीम की तैयारी बहुत अच्छी रही है और वे कल एक जोरदार शुरुआत करने की उम्मीद कर रहे हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पांच खिलाड़ियों को किया रिलीज, 20 को किया रिटेन

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र से पहले मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 5 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है जबकि 20 को बरकरार रखा है। इन बदलावों के बाद, आरसीबी के पास केवल नीलामी के लिए अब केवल 14.15 करोड़ रुपये ही बचे हैं जिससे टीम नीलामी में अपनी जरुरत के अनुसार खिलाड़ियों को खरीदेगी। आरसीबी ने जिन खिलाड़ियों को बाहर किया है उसमें इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल भी शामिल हैं। बेथेल के अलावा रिचर्ड ग्लीसन, मंगेश यादव, सात्विक देसवाल और विहान मल्होत्रा को भी बाहर कर दिया गया है। बेथेल को बाहर इसलिए किया गया क्योंकि वह हाल में ही घुटने की सर्जरी से उबरे हैं और उनकी फिटनेस फ्रैंचाइजी के लिए चिंता का कारण थी। इसके अलावा 2027 में एशेज सीरीज और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों को देखते हुए भी आरसीबी ने उन्हें रिलीज किया है, जिससे टीम के संयोजन पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े और फ्रेंचाइजी आने वाली चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहे। तेज गेंदबाज मंगेश को रिलीज करने के पीछे एक कारण तेज गेंदबाज यश दयाल की वापसी मानी जा रही है। यश दयाल को कानूनी मामले में फंसे होने के कारण पिछले आईपीएल से बाहर रखा गया था पर अब फ्रेंचाइजी उन्हें दोबारा टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। इसी कारण उन्हें रिटेन भी कर लिया है। वहीं विहान, ग्लीसन और सात्विक को टीम संयोजन बेहतर बनाने के लिए बाहर किया गया है। वहीं आरसीबी ने जिन 20 खिलाड़ियों को आगामी सीजन के लिए रिटेन किया है, उनमें कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों में अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जैकब डफी, जितेश शर्मा, जॉर्डन कॉक्स, जोश हेजलवुड, कनिष्क चौहान, क्रुणाल पंड्या, नुवान थुसारा, फिल साल्ट, रजत पाटीदार, रसिक डार, रोमारियो शेफर्ड, सुयश शर्मा, टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर, विक्की ओसवाल, विराट कोहली और यश दयाल प्रमुख हैं।



इटली के टूरिन में एटीपी फाइनल्स मुकाबले में भाग लेते हुए अमेरिकी टेनिस स्टार बेन शेल्टन।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

सितंबर तिमाही में कंपनियों का मुनाफा शिखर पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों ने सितंबर तिमाही में असाधारण वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसमें उनका मुनाफा पिछले ग्यारह तिमाहियों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकारी तेल कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने इस दमदार प्रदर्शन के आधार पर वित्त वर्ष 2027 के लिए एमएससीआई इंडिया का प्रति शेयर आय (ईपीएस) अनुमान 1.5 फीसदी बढ़ा दिया है। तेल एवं गैस तथा मेटल सेक्टर को छोड़कर भी कंपनियों का मुनाफा 19 फीसदी बढ़ा, जबकि बिक्री में 21 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। हालांकि, कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण ऑटो, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों को मुनाफे में दबाव का सामना करना पड़ा। ब्रोकरेज फर्म अब ?वित्तवर्ष 27 में ईपीएस में 16 फीसदी और ?वित्त वर्ष 28 में 15 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है।सेक्टोरल प्रदर्शन में बैंकिंग, अन्य वित्तीय कंपनियों, बिजली, पूंजीगत वस्तुएं और होटल जैसे क्षेत्रों ने 20 फीसदी से अधिक की प्रॉफिट ग्रोथ दर्ज की। बैंकों का मुख्य मुनाफा 23 फीसदी बढ़ा, जिसका श्रेय कर्ज में वृद्धि और कम खराब कर्ज प्रावधानों को जाता है। होटल सेक्टर ने भी मजबूत मांग के चलते 22त्न एबिटा वृद्धि देखी। तिमाही नतीजों के बाद, जेफरीज ने अपनी कवरेज वाली 49 फीसदी कंपनियों की आय अनुमान बढ़ाए हैं, जबकि 43 फीसदी के घटाए गए हैं। बैंकिंग, इंडस्ट्रियल और ऑयल एंड गैस में अनुमान बढ़ने का रुझान रहा, वहीं ऑटो, सीमेंट और एफएमसीजी में गिरावट देखी गई।

टाटा समूह में चेयरमैन के कार्यकाल और लिस्टिंग को लेकर घमासान

नई दिल्ली। टाटा समूह में नेतृत्व और प्रमुख फैसलों को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गहरा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व ट्रस्टी दारियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के उपाध्यक्षों वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के प्रदर्शन को शानदार बताते हुए भी उनके तीसरे कार्यकाल के तरीके और कंपनी की लिस्टिंग से जुड़े फैसलों पर गंभीर आपत्ति जताई है। खंबाटा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चंद्रशेखरन का प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन 17 सितंबर की टाटा संस बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों के तरीके पर गंभीर आपत्ति जताई, जिसे उन्होंने बदनामी वाला दिन करार दिया। उन्होंने उपाध्यक्षों से पूछा कि पहले टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करने वाले उन्होंने अप्रैल 2026 में अचानक अपना रुख क्यों बदला। खंबाटा ने जोर दिया कि ऐसे महत्वपूर्ण फैसले ट्रस्ट की बैठक में चर्चा से होने चाहिए, न कि पत्रों के जरिए। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बार फिर दोहराया कि टाटा संस को अनिवार्य रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना होगा।चंद्रशेखरन के कार्यकाल को लेकर खंबाटा ने इस आरोप को खारिज किया कि वह अनिश्चितता के समय चुप रहे। उन्होंने बताया कि फरवरी 2026 में दोबारा नियुक्ति की चर्चा रुकने के बाद उन्होंने बैठक की मांग की थी। हालांकि, जुलाई 2025 में टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पारित किया था, जिसे बाद में वापस नहीं लिया गया। चंद्रशेखरन ने खुद अगस्त 2026 में पद पर बने रहने से इनकार किया था, लेकिन बाद में उनसे पद पर बने रहने का अनुरोध किया गया। उन्होंने नोएल टाटा के साथ मतभेदों को स्वीकारते हुए बातचीत से समाधान की अपील की।

एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए कंपनी 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया

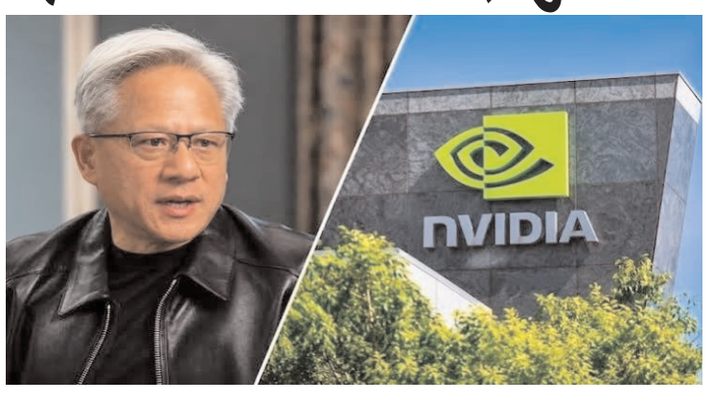

नई दिल्ली। एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरुरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है। कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है। एनवीडिया ने अपने शेयर बायबैक प्रोग्राम में भी 150 अरब डॉलर की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे कंपनी के शेयर खरीदने की क्षमता और बढ़ जाएगी। इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में कारोबार के बाद करीब 4फीसदी की तेजी आई। हालांकि, कंपनी के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। एनवीडिया के बोर्ड ने पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग की वापसी की संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। चेयरमैन हार्वे जोन्स ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड ने हुआंग का इस्तीफा सर्वसम्मति से स्वीकार किया था और उन्हें दोबारा सीईओ बनाने की कोई योजना नहीं है। वर्तमान में कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रही हैं और बोर्ड एक नए स्थायी सीईओ की तलाश कर रहा है।

भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नहीं: नवीन जिंदल

नई दिल्ली। भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों में, भविष्य में वैश्विक बाजार में कोकिंग कोयले की आपूर्ति पर्याप्त बनी रहेगी, जिससे भारतीय इस्पात कंपनियों को इसकी उपलब्धता को लेकर कोई चिंता नहीं होगी। भारत में लगातार नए संयंत्रों का निर्माण इसकी मांग को बनाए रखेगा, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में मांग घटेगी।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को अर्थशॉट पुरस्कार

नई दिल्ली। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी (एमएलएमएम) को इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से प्रदूषण कम करने और छोटे कारोबारियों व चालकों को सशक्त बनाने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'अर्थशॉट पुरस्कार 2026' के 'स्वच्छ हवा' श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है। यह वैश्विक सम्मान कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल पहल और सामाजिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी 10 लाख पाउंड (लगभग 11 लाख अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि का उपयोग समावेशी इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए करेगी।

मोतीलाल ओसवाल के पांच पसंदीदा शेयर, 27 फीसदी उछाल का अनुमान

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी ने उत्साह भर दिया है, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स एक महीने में करीब 10 फीसदी ऊपर चढ़ गए हैं। इस तेजी के माहौल के बीच, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को दमदार फंडामेंटल वाले पांच शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म को इन शेयरों में सालभर में 27 फीसदी तक की तेजी का अनुमान है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सकता है। मोतीलाल ओसवाल की सूची में स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर की आरती इंडस्ट्रीज शामिल है, जिसके लिए 600 रुपए का लक्ष्य रखा गया है, जो इसके 470.85 रुपए के बंद भाव से काफी अधिक है। दूसरा नाम संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल है, जिसके शेयरों पर 200 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 164 रुपए पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज फर्म नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों पर भी बुलिश है, जिसके लिए 2300 रुपए का लक्ष्य है, जबकि यह 2061.85 रुपए पर बंद हुआ था। मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में एनबीएफसी सेक्टर से बजाज फाइनेंस को भी चुना गया है, जिसका टारगेट 1250 रुपए है (मौजूदा भाव 1120.35 रुपए)।



राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय की मेजबानी में नई दिल्ली में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर बिम्सटेक विशेषज्ञ समूह की पांचवीं बैठक आयोजित की गई।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन आईपीओ खुला, कृषि क्षेत्र में निवेश का अवसर

नई दिल्ली। प्राथमिक बाजार में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिए बुधवार, 18 नवंबर को कृषि-रसायन कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। खेती से जुड़े रसायन, फसल सुरक्षा उत्पाद और बीज बनाने वाली यह भारतीय कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 455.49 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के आईपीओ का प्राइस बैंड 259 से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, और यह 20 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशकों को कम से कम 55 शेयरों के एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा। इस इश्यू में 354.77 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 100.71 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर 26 नवंबर को लिस्टिंग संभव है। बाजार विश्लेषकों ने इस आईपीओ पर मिली-जुली राय दी है। कुछ ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के विविध कारोबारी क्षेत्रों में मौजूदगी और अनुसंधान व विकास पर जोर को देखते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वैल्यूएशन बहुत सस्ता नहीं है। आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का कुल मार्केट कैप लगभग 4,437.9 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, कुछ अन्य फर्मों ने कंपनी की कमाई पर मॉनसून और कृषि उत्पादों की मांग की निर्भरता जैसे जोखिमों के कारण आईपीओ पर न्यूट्रल रेटिंग दी है, हालांकि कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन मजबूत रहा है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 19 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

महिला सशक्तिकरण एवं डिजिटल साक्षरता की मिसाल

पीएम स्वनिधि योजना में मप्र का देश में हुआ स्वर्णिम प्रदर्शन

इंदौर-सारणी और बालाघाट स्वनिधि सम्मान पुरस्कार 2026 के लिए नामित

भोपाल। मध्य प्रदेश को एक स्वर्णिम सफलता हासिल हुई है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफल क्रियान्वयन एवं पथ विक्रेताओं के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में मध्य प्रदेश लगातार देश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। जनसम्पर्क अधिकारी अवंतिका जायसवाल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के 10.87 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई दिशा मिली है। केंद्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 20 नवंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होने जा रहे स्वनिधि सम्मान पुरस्कार 2026 समारोह के लिए मध्य प्रदेश



राज्य के साथ प्रदेश के तीन प्रमुख नगरीय निकायों में इंदौर, सारणी और बालाघाट का चयन पुरस्कार के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के विभिन्न शहरों ने अपनी श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में इंदौर नगर निगम ने 2,02,407 ऋण प्रकरण वितरित कर पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं राजधानी भोपाल नगर निगम 1,39,262 ऋण प्रकरणों के सफल वितरण के साथ चतुर्थ स्थान पर रहा है। मेजर सिटी श्रेणी (1 लाख से 10 लाख जनसंख्या) में उज्जैन नगर निगम ने 59,558 ऋण प्रकरण वितरित कर देश में तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इसके अलावा टाउन सिटी एवं अन्य निकाय श्रेणी में सारणी नगर पालिका, बालाघाट एवं हरदा नगर पालिका ने अपने-अपने क्षेत्रों में पथ विक्रेताओं तक त्वरित सहायता पहुँचाकर राष्ट्रीय पटल पर विशेष पहचान अर्जित की है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार,पथ विक्रेताओं के समग्र विकास को गति देने के लिए योजना को पुनर्गठित कर नवीन स्वरूप प्रदान किया गया है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को विभिन्न चरणों में क्रमशः 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रूपये तक का ब्याज-मुक्त व रियायती ऋण प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही पथ विक्रेताओं की कार्यपूंजी आवश्यकताओं को सुगम बनाने के लिए 30 हजार रुपये की सीमा वाला यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड भी जारी कर लाभान्वित किया जा रहा है।

मप्र में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन इन्वेस्टर मीट का आज होगा शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री सिंधिया और मुख्यमंत्री करेंगे प्रारंभ,25 कंपनियों को मिलेंगे आशय पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश को देश के प्रमुख टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में गुरुवार, 19 नवंबर को राजधानी भोपाल के होटल ताज लेकफ्रंट में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (टीएमजेड), की इन्वेस्टर मीट आयोजित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मीट का शुभारंभ करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया की उपस्थिति में होने वाले इस आयोजन में प्रदेश में दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण, तकनीकी निवेश और औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इन्वेस्टर मीट में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन में निवेश के लिए 25 कंपनियों को आशय पत्र (लेटर ऑफ इंटेंट) वितरित किए जाएंगे। इन कंपनियों की ओर से 3,600 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावित हैं। इन निवेशों के माध्यम से 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इसके साथ ही ग्वालियर में लगभग 450 एकड़ क्षेत्र में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के दूसरे चरण का शुभारंभ भी प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन में निवेश के लिए आशय पत्र प्राप्त करने वाली कंपनियों में देश की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार विनिर्माण कंपनियां शामिल हैं। इनमें वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, तेजस नेटवर्क्स, समृद्धि ऑटोमेशंस, ब्रांडवर्क्स टेक्नोलॉजीज, सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी, ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स,इंटेलिकॉम कम्युनिकेशन, एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स, टेस्कॉम, नियोलिंक सॉल्यूशंस, ब्रुकविन वाइब्रे, प्रणव टेकवन,जेटकेम सप्लाई चेन सर्विसेज, टेक्नोट्रेंड्ज़ सॉल्यूशंस, पाली टेक्नोलॉजीज, वीकेयर ब्रॉडकास्टिंग, सीबेरी टेकसॉल्यूशंस, रामायुष एंटरप्राइज, रियलटाइम बायोमेट्रिक्स, वृंदा नैनो टेक्नोलॉजीज,कोडास इनोवेशंस, स्विडो एनर्जी सॉल्यूशंस, एनरवांटा इलेक्ट्रॉनिक्स और नोहाटेक इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

रेजांगला के वीरों का शौर्य पूरी दुनिया याद रखेगी : मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने रेजांगला शौर्य एवं यदुकुल सम्मान दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली किया सम्बोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेजांगला के वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि रेजांगला में भारतीय सैनिकों की लड़ाई भारतीय सैन्य इतिहास में साहस और सर्वोच्च बलिदान का गौरवशाली अध्याय है। रेजांगला के वीरों का शौर्य पूरी दुनिया याद रखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को रेजांगला शौर्य दिवस पर 1962 के भारत चीन रेजांगला युद्ध के शहीदों के बलिदान को नमन के लिए नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में श्रीकृष्ण यादव महासभा द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा को मंदसौर जिले के गांधी सागर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री



डॉ. यादव ने कहा कि 1962 के भारत-चीन रेजांगला के युद्ध में भारत माता के वीर सपूतों ने अद्भुत शौर्य और वीरता का प्रदर्शन किया। रेजांगला शौर्य दिवस के अवसर पर देशवासी इस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के बलिदान को नमन कर रहे हैं। हमारे वीर सैनिकों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर अद्म्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान के बलबूते अद्भुत पराक्रम की मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने रेजांगला की रणभूमि में कुमाऊं रेजिमेंट के 120 रणबांकुरों के नेतृत्वकर्ता शहीद मेजर शैतान सिंह भाटी की वीरता और समर्पण को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि मेजर भाटी ने बर्फीली पहाड़ियों के बीच कठिन परिस्थितियों में कुशल नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रेजांगला के युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए। रेजांगला की भूमि पर भारतीय सैनिकों की वीरता ने संख्या को चुनौती दी, साहस ने संकट को पराजित किया और राष्ट्रभक्ति ने मृत्यु को मात दी। रेजांगला के वीरों ने दुनिया को बता दिया कि सैनिकों की शक्ति उनके हथियारों में नहीं, बल्कि उनके हृदय में होती है। रेजांगला शौर्य दिवस हमें भगवान श्रीकृष्ण के अतीत के गौरवशाली काल का स्मरण करा रहा है, जिसके कारण से यदुवीरों की पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत हर क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारतीय सेना आधुनिक हो रही है, देश का रक्षा उत्पादन निरंतर बढ़ रहा है और भारतीय सैनिक दुश्मन को माकूल जवाब देने के लिए तैयार हैं। रेजांगला में तत्कालीन समय में कई चुनौतियां थी, लेकिन हमारे वीरों ने अपने संघर्ष और खून से स्वर्णिम इतिहास लिखा है। यह किसी जाति और समाज से बंधा नहीं, बल्कि पूरे भारत वर्ष का गौरव बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दीपावली पर्व के अवसर पर प्रदेश में गोवर्धन पूजा को हर्षोल्लास के साथ मनाया है। प्रदेश में कृष्ण से जुड़े सभी लीला स्थलों को भव्य तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी के साथ किसानों की समृद्धि के लिए गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है,जो अपने घर गाय को पाले,वही गोपाल होता है।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था और महिला-बाल अपराधों को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समीक्षा कराने और विदिशा में 1 नवंबर को मासूम के साथ हुई दुष्कर्म की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई, एफआईआर दर्ज करने में कथित देरी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में हुई प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की अपील की है। जीतू पटवारी ने पत्र में कहा कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराधों के मामलों में पुलिस की कार्यप्रणाली और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया की समीक्षा जरूरी है। उन्होंने महिला एवं बाल अपराधों की जांच में लापरवाही, एफआईआर दर्ज करने में देरी और पीड़ितों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, महिला एवं बाल अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए स्वतंत्र केंद्रीय समिति गठित करने का सुझाव दिया है।

बाल यौन शोषण की रोकथाम के लिए मप्र में बनेगी प्रभावी रणनीति

भोपाल। मध्यप्रदेश में बाल विवाह के पूर्ण उन्मूलन और डिजिटल माध्यमों से बच्चों के यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा 19 नवंबर 2026 को भोपाल में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 9ः30 बजे से आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में होगा। इस महत्वपूर्ण परामर्श में न्यायिक,प्रशासनिक, पुलिस एवं बाल संरक्षण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा तथा संबंधित कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करेंगे। आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने बताया कि बाल विवाह और ऑनलाइन बाल यौन शोषण बच्चों के सुरक्षित बचपन,शिक्षा,स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए गंभीर चुनौती हैं। इनकी रोकथाम के लिए केवल कानूनी प्रावधान ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, समय पर हस्तक्षेप, प्रभावी निगरानी और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। राज्य स्तरीय परामर्श का उद्देश्य बाल संरक्षण की मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए ठोस सुझाव और अनुशंसाएं तैयार करना है।

मप्र वन विकास निगम 6 भालुओं को एक वर्ष के लिये लेगा गोद

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत गुरुवार 19 नवम्बर को सुबह 11 बजे वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामनिवास रावत की उपस्थिति में वन्य-जीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के 6 भालुओं को एक वर्ष के लिये उन पर होने वाले व्यय की राशि 6 लाख रुपये से गोद लिया जायेगा। वन विकास निगम द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व निधि से की जा रही इस पहल का मुख्य उद्देश्य वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीवों के संरक्षण,संवर्धन,बेहतर देखभाल,आहार और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में सहयोग करना है। इससे वन्य-जीव संरक्षण को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही समाज में वन्य-जीवों के प्रति संवेदनशीलता एवं संरक्षण की भावना भी विकसित होगी। मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम पर्यावरण संरक्षण,वन संवर्धन और जैव विविधता के संरक्षण के लिये निरंतर कार्य कर रहा है। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के 6 भालुओं को गोद लेने की यह पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में वन विकास निगम के उपाध्यक्ष राम मोहन सिंह बघेल,प्रबंध संचालक मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक संजय कुमार जैन और वन विकास निगम एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

अकवान बदलेगा मौसम,20-21 नवंबर को आंधी-बारिश की संभावना

भोपाल । मध्य प्रदेश में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अकवान का असर दिखाई देने की संभावना है। 20 और 21 नवंबर को प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। जबलपुर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम और इंदौर संभाग में मौसम प्रभावित हो सकता है। 21 नवंबर को इसका असर अधिक रहने का अनुमान है। बालाघाट और डिंडौरी में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, जहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े चार इंच तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के प्रभाव से मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर और खरगोन में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। इन इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 20 नवंबर को शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिवनी और बालाघाट में हल्की बारिश हो सकती है। इससे पहले प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है। भोपाल में पिछले दो दिनों से बादलों का डेरा है और धुंध भी दिखाई दे रही है।

प्रदेश में 63 हजार करोड़ की लागत से बनेंगे पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने गांधी सागर के पर्यटन स्थलों के ब्रोशर,डिजिटल कॉफी बुक का किया विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक गांधी सागर में वंदेमातरम के गान के साथ आरंभ हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा पहना कर तथा अंग वस्त्रम भेंट कर अभिवादन किया गया। मंत्रिपरिषद के सदस्यों का स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अंग वस्त्रम पहना कर तथा स्थानीय धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परिवेश के अनुरूप प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार विकास के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत,ऐतिहासिक गौरव और क्षेत्रीय जनभावनाओं को भी सम्मान दे रही है। इसी उद्देश्य से राजधानी भोपाल के बाहर विभिन्न ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनजातीय महत्व के स्थानों पर डेस्टिनेशन कैबिनेट की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। अब तक भोपाल के बाहर नौ स्थानों पर मंत्रि-परिषद की बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों की पहचान, इतिहास और विकास की संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले गांधी सागर के पर्यटन स्थलों के ब्रोशर, डिजिटल कॉफी बुक का विमोचन किया। उन्होंने आस्क एआई, क्यू.आर. आधारित पर्यटन गाइड का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर डेस्टिनेशन गांधीसागर पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ। मुख्यमंत्री



डॉ. यादव को मध्यप्रदेश पर्यटन निगम की ओर से श्री टी इलैया राजा ने गांधी सागर क्षेत्र में चीते की उपस्थिति पर पेंटिंग तथा कलेक्टर नीमच द्वारा चीते की प्रतिकृति भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पहली डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक 3 जनवरी 2024 को जबलपुर के शक्ति भवन में आयोजित की गई थी। इसके बाद 5 अक्टूबर 2024 को दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। 24 जनवरी 2025 को लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में बैठक आयोजित की गई। वहीं, 20 मई 2025 को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। इसी क्रम में 3 जून 2025 को नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी स्थित राजभवन में गोंड राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित बैठक की गई। 9 दिसंबर 2025 को बुंदेलखंड के सम्मान में खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। इसके बाद 2 मार्च 2026 को बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र नागलवाड़ी स्थित भीलट बाबा देवस्थल और 19 जुलाई 2026 को भोपाल जिले के जगदीशपुर में बैठक की गई। जगदीशपुर का संबंध गोंड रानी कमलापति की कर्मस्थली और ऐतिहासिक महल-स्मारकों से रहा है। इस क्रम में 18 नवंबर 2026 को मंदसौर जिले के गांधीसागर में चंबल नदी के तट पर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई।

आधुनिक तकनीक एवं नवाचार का उपयोग कर करें प्रबंधन : संभागायुक्त

भोपाल में 4 से 7 दिसंबर तक आयोजित इज्तिमा की तैयारियों को लेकर ली बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला इज्तिमा इस वर्ष 04 दिसंबर से 07 दिसंबर 2026 तक ईटखेड़ी में आयोजित किया जाएगा। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को इज्तिमा स्थल इटखेड़ी में कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं के लिये संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा,आईजी भोपाल देहात रुचि वर्धन मिश्रा , एसपी देहात पंकज पांडे,सहित इज्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त शर्मा ने कहा कि इज्तिमा में आधुनिक तकनीक एवं नवाचार का प्रयोग कर भीड़ प्रबंधन ,पानी के सदुपयोग एवं नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग श्रेष्ठ प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि इज्तिमा में जीरो वेस्टेज की अवधारणा के साथ कार्य किया जाए। संभागायुक्त शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा इज्तिमा स्थल पर आने वाले जमातों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। भोपाल देहात आईजी रुचिवर्धन मिश्रा ने निर्देश दिए कि इज्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुचारू यातायात सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमातों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हैल्प डेस्क स्थापित किए जाएं, जिससे जमातों को सहायता मिल सके। संभागायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन एवं इज्तिमा समिति के बीच सुगम समन्वय और संचार बना रहे। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन के कार्य की पूर्व एवं पश्चात जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाएं। साथ ही वालंटियर की सूची तैयार कर उन्हें इज्तिमा स्थल की सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी जाए,ताकि जमातों को समय पर सहयोग प्राप्त हो सके। संभागायुक्त शर्मा ने यह भी कहा कि इज्तिमा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रहे।



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने त्रिपुरा के राज्यपाल श्री इंद्र सेना रेड्डी नल्लू का आज लोकभवन में पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शॉल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री इंद्र सेना रेड्डी नल्लू की पत्नी श्रीमती रेणुका नल्लू भी मौजूद थी।

जिन स्थानों पर धीरेंद्र शास्त्री ने कथाएं की हैं,वहां प्रत्याशी हार गए : दिग्विजय

दिग्विजय सिंह ने 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' में धीरेंद्र शास्त्री पर कसा तंज

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' बुधवार को ऐतिहासिक नगरी चंदेरी पहुंची। इस दौरान उन्होंने मंदिरों में चोरी, धार्मिक स्थलों की व्यवस्थाओं और अयोध्या में चंदा चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। वहीं, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को लेकर भी उन्होंने राजनीतिक कटाक्ष किया। उनके बयानों के बाद धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे चर्चा के केंद्र में आ गए। ओरछा स्थित रामराजा सरकार मंदिर में करीब 50 वर्ष पहले सवा मन सोने के कलश की चोरी, वर्ष 2017 में भगवान के 24 सोने के आभूषण चोरी होने और हाल ही में मंदिर के खजाने के तालों से छेड़छाड़ का मामला पत्रकारों ने उठाया। इस पर दिग्विजय सिंह ने भाजपा,आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और उनसे जुड़े संगठनों के साथ प्रदेश की वर्तमान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मंदिरों से जुड़े मामलों में जवाबदेही और धार्मिक व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए। अयोध्या में चंदा चोरी के आरोपों को लेकर पत्रकारों ने उनसे पूछा कि इस मामले को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक क्यों नहीं ले जाया



गया। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि अब इस मुद्दे को न्यायालय तक पहुंचाएंगे। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को लेकर पूछे गए सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि जिन स्थानों पर धीरेंद्र शास्त्री ने कथाएं की हैं, वहां के प्रत्याशी चुनाव हार गए हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वे चाहते हैं कि भाजपा हर जगह धीरेंद्र शास्त्री से कथा करवाए, ताकि उसके प्रत्याशी चुनाव हार जाएं। उनके इस बयान को भाजपा पर राजनीतिक कटाक्ष के तौर पर देखा जा रहा है। यात्रा के दौरान दिग्विजय सिंह ने धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही का मुद्दा उठाया। मंदिरों में चोरी की घटनाओं, धार्मिक आयोजनों से जुड़े विवादों और चंदे के कथित दुरुपयोग को लेकर उन्होंने भाजपा तथा उससे जुड़े संगठनों को घेरा।